भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकादशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 46 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 अगस्त 2025 मंगलवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अगला मुख्य सचिव : जारी रहेगी जैन की पारी या अलका, पंकज अग्रवाल को मिलेगा मौका?

31 अगस्त को रिटायर हो रहे मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन की पारी को यदि केंद्र सरकार ने को आगे नहीं बढ़ाया तो नया मुख्य सचिव कौन होगा जो एक सितंबर को सूबे के मंत्रालय की कमान संभालेगा। राजेश राजौरा, अलका उपाध्याय या पंकज अग्रवाल। सवाल यह है कि जिस तरह पिछले साल अक्टूबर में प्रधानमंत्री कार्यालय ने तमाम दावेदारों को नकारते हुए दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत अनुराग जैन को कमान सौंपी थी,क्या उसी तर्ज पर दिल्ली से ही होगा मौजूदा मुख्य सचिव के सेवाकाल के बढ़ाने या नए प्रशासनिक मुखिया का फैसला?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

जैसा कि सब जानते ही हैं कि पिछले साल जब वीरा राणा का कार्यकाल समाप्त हो रहा था, तब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री अपने सचिवालय में मौजद अपर मुख्य सचिव स्तर के अफसर डॉ राजेश राजौरा को मुख्य सचिव बनाना चाहते थे। लेकिन तब पीएमओ के ज्यादातर अफसर तत्कालीन अपर मुख्य सचिव गृह एसएन मिश्रा के पक्ष में थे। लेकिन मिश्रा 31जनवरी 2025 को रिटायर हो रहे थे। उनका कार्यकाल चार महीने का ही बचा था। मिश्रा की पैरवी कर रहे पीएमओ ने तब उन्हें जनवरी के बाद उनके कार्यकाल को बढ़ाने की दलीलें भी दी थीं। लेकिन तब मुख्यमंत्री मोहन यादव की हसरत थी कि नीमच मप्र के मूल निवासी राजेश राजौरा मुख्य सचिव बने। राजौरा का कार्यकाल अभी भी 31 मई 2027 तक है। सूत्रों की माने तो तब केंद्र सरकार ने आईबी पटना में

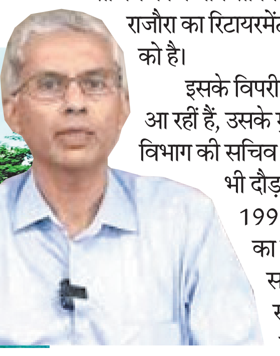

कार्यरत मप्र कॉडर के एक आईपीएस अफसर को जमीनी जानकारी जुटाने के लिए भोपाल भेजा था। इसके बाद जो फीडबैक मिला उसके बाद पीएमओ से राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन की सेवाएं मध्यप्रदेश शासन को लौटाने की हरी झंडी मिली। इसके बाद जैन ने 4 अक्टूबर को मुख्य सचिव का काम संभाला। बाद में कुछ ऐसे घटनाक्रम हुए जिसके बाद राजेश राजौरा को मुख्यमंत्री सचिवालय भी छोड़ना पड़ा। राजौरा आज भी मुख्यमंत्री मोहन यादव के नजदीकी हैं, जिसके चलते उनकी सेवाएं बतौर अपर मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग के साथ उपाध्यक्ष नर्मदा घाटी विकास के बतौर बरकरार हैं। इसके चलते मंत्रालय के गलियारे में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद मुख्यमंत्री एक बार फिर 1990 बैच के राजेश राजौरा को प्रदेश के मुख्य सचिव की कमान सौंपने की पहल करें। राजौरा का रिटायरमेंट 31 मई 2027 को है।

इसके विपरीत दिल्ली से जो खबरें आ रहीं हैं, उसके मुताबिक पशुपालन विभाग की सचिव अलका उपाध्याय भी दौड़ में हैं। हालांकि 1991 बैच की अलका का कार्यकाल अगले साल 31 मई को ही समाप्त हो जाएगा। यानि उन्हें कमान मिली तो पूर्व मुख्य सचिव वीरा राणा की तरह उनके सेवाकाल को भी बढ़ाना पड़ेगा। लेकिन कितना? क्योंकि अप्रैल-मई 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ जैसा बड़ा आयोजन है। फिर नवंबर में 28 में विधानसभा तथा अप्रैल 2029 में लोकसभा के चुनाव होंगे। अलका उपाध्याय के बाद सीनिरिटी के क्रम में मनोज गोविल का नाम आता है जो अभी प्रतियुक्ति पर केंद्र में वित्त विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। गोविल का रिटायरमेंट 31 मार्च 2029 को है। लेकिन सूबे में मैदानी अनुभव की कमी और मप्र मंत्रालय में उनकी नकारात्मक छवि है। 1991 बैच में दो नाम और भी हैं। एक तो अपर मुख्य सचिव वन एवं एप्को महानिदेशक अशोक वर्णवाल और नवकरणीय उर्जा विभाग संभाल रहे मनु श्रीवास्तव । लेकिन अव्वल तो वर्णवाल 31 जनवरी 2027 और मनु श्रीवास्तव का कार्यकाल 30 सितंबर 2027 तक है। इन दोनों अफसरों में वर्णवाल ऐसे अफसर हैं जो पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उसके बाद कमलनाथ के दौर में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव रहे हैं। सूत्रों की माने तो यादव की पसंद वर्णवाल भी हैं। लेकिन अशोक वर्णवाल और मनु श्रीवास्तव का नकारात्मक पहलू यह है कि दोनों कमलनाथ के बेहद करीबी अफसरों में गिने जाते हैं। या यूं कहें कि कमलनाथ के 15 महीने के कार्यकाल में सबसे ज्यादा पॉवरफुल अफसर यही थे।

अंदरखानों की माने तो शिवराज सिंह ने जब उन्हें 2018 के पहले मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थ किया था, तो उनकी जानकारी में भी यह बात नहीं थी। लेकिन उन्हें पता लगा कि मुख्यमंत्री सचिवालय की अंदरूनी बातें कमलनाथ को लीक की जा रही हैं, लेकिन इसके पहले वह कुछ कर पाते 6 अक्टूबर को आचार संहिता लग गई। सूबे में नाथ मुख्यमंत्री बने तो वर्णवाल ही उनके सचिवालय में पूरी शिद्दत के साथ मौजूद थे। लेकिन नाथ सरकार के पतन के बाद 20 मार्च 2020 को शिवराज सिंह चौहान ने चौथी बार मुख्यमंत्री बनते ही सबसे पहला काम वर्णवाल को मुख्यमंत्री सचिवालय से हटाने का किया। मनु श्रीवास्तव की भी कमलनाथ से करीबी किसी से छुपी नहीं है। ऐसे में इन दोनों अफसरों का मुख्य सचिव के रूप में नंबर लगना मुश्किल है।

वरिष्ठता में अभी आठवें नंबर पर है पंकज अग्रवाल

इस सबके बाद 1992 बैच में देवास जिले में जन्में पंकज अग्रवाल का क्रम आता है। वे वरिष्ठता क्रम में आठवीं पायदान पर हैं। अनुराग जैन का सेवाकाल नहीं बढ़ता और उनके साथ ही 31 अगस्त को जेएन कंसोटिया रिटायर होते हैं तो वह छठे नंबर पर आ जाएंगे। वैसे देखा जाए तो 2008 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विजय सिंह को हटाकर राकेश साहनी को मुख्य सचिव बनाया था तब वे वरिष्ठता के क्रम में आठवीं पायदान पर थे। यदि अग्रवाल के नाम पर पीएमओ या नरेंद्र मोदी की मुहर लगती है तो यह एक संयोग होगा कि केंद्रीय राजमार्ग मंत्रालय सचिव से मुख्य सचिव का सफर तय करने वाले लगातार दूसरे अफसर होंगे। हालांकि पंकज नवकरणीय उर्जा विभाग के सचिव भी हैं। सूत्रों की माने तो अभी तक अनुराग जैन के सेवाकाल को आगे बढ़ाने का कोई प्रस्ताव केंद्र को नहीं गया है। लेकिन अभी भी 12 दिनों का वक्त बाकी है जिसके चलते जैन के एक्सटेंशन संभावनाएं बरकरार हैं। पीएमओ के प्रमुख सचिव और नरेंद्र मोदी के सबसे नजदीकी अफसर पीके मिश्रा के अधीन अनुराग दो बार काम कर चुके हैं और उनके पसंदीदा भी रहे हैं। कुल मिलाकर देखें तो गेंद मोदी और उनके पीएमओ के पाले में है। वही तय करेंगे कि आने वाले घटनाक्रमों के मुताबिक वे किस नाम पर हरी झंडी देंगे जो मोहन यादव को भी स्वीकार्य हो।

उपराष्ट्रपति चुनाव : अब राधाकृष्णन V/S सुदर्शन

नईदिल्ली,एजेंसी

विपक्षी इंडिया गठबंधन ने पूर्व सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी सुदर्शन रेड्डी को उपराष्टपति के चुनाव में अपना उम्मीदवार बना दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनके नाम का ऐलान किया। प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा कि गठबंधन ने सर्वसम्मति से उनका नाम तय किया है। उनका मुकाबला एनडीए गठबंधन के सीपी राधाकृष्णन से होगा। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने बताया कि आम आदमी पार्टी भी सुदर्शन रेड्डी के नाम से सहमत है। खबरों के मुताबिक, जिस तरह एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को दक्षिण भारत के दलों को ध्यान में रखकर अपना उम्मीदवार बनाया है, उसी तरह अब पूर्व जज सुदर्शन रेड्डी का नाम आने के बाद टीडीपी, वाईआरएससीपी और बीआरएस जैसी पार्टियों को भी दोबारा सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा कि वे किसका समर्थन करें. इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एनडीए संसदीय दल की बैठक में महाराष्ट्र के राज्यपाल और उपग्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को सम्मानित किया। इस मौके पर मोदी ने कहा कि राधाकृष्णन सरल और सहज व्यक्ति हैं। वे राजनीति को खेल की तरह नहीं लेते। उन्होंने सभी सभी सहयोगी दलों के सांसदों से भी मिलवाया।

मशहूर एक्टर अच्युत पोतदार का निधन

मुंबई,एजेंसी

मशहूर एक्टर अच्युत पोतदार का निधन हो गया है। वे थ्री इडियट्स, रंगीला, इश्क, हम साथ-साथ हैं, लगे रहो मुन्ना भाई और दबंग जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में नजर आए हैं। 91 साल के पोतदार को उम्र संबंधित दिक्कतों के चलते कुछ समय पहले ही मुंबई के ठाणे स्थित हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। उनका अंतिम संस्कार आज किया जा रहा है। 44 साल के एक्टिंग करियर में अच्युत पोतदार ने करीब 125 से ज्यादा हिंदी और मराठी फिल्मों, 95 टीवी शोज, 26 प्ले और 45 ऐड में काम किया है। वे जबलपुर में जन्में थे और पढ़ाई पूरी करने के बाद रीवा में प्रोफेसर बने फिर वो इंडियन आर्मी में शामिल हुए और 1967 में कैप्टन के पद से रिटायर हुए। बाद में उन्होंने नाटकों में हिस्सा लेना शुरू किया था।

रूस-यूक्रेन में सीजफायर की संभावना धूमिल हुई

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्टपति जेलेंस्की और यूरोपीय लीडर्स के साथ बैठक की, लेकिन रुस-यूक्रेन के बीच सीजफायर पर सहमति नहीं बन सकी। ट्रम्प ने बाद में खुद कहा कि फिलहाल इतनी जल्दी सीजफायर संभव नहीं है। अमेरिका और यूरोपीय देश मिलकर इस पर काम करेंगे। हालांकि, मीटिंग में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर चर्चा हुई है। वहीं, रूसी राष्टपति ऑफिस ने बताया कि ट्रम्प ने मीटिंग रोककर पुतिन से फोन पर 40 मिनट बात की। इस दौरान पुतिन ने रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच सीधे बातचीत का समर्थन किया।

डबल फर्जीवाड़ा : पहले जमीन राबिया सुल्तान से खरीदना बताया, फिर...

पाक नागरिक से जमीन की लीज के बनवाए गए थे फर्जी दस्तावेज

हाईकार्ट ने दिए हैं विधायक आरिफ मसूद पर आपराधिक मामला दर्ज करने के आदेश

अनिल शर्मा, भोपाल

कॉलेज चलाने के लिए कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने जो फर्जीवाड़े किये, उसकी रोजाना नई परतें खुल रही हैं लेकिन दोपहर मेट्रो की पड़ताल में अब एक नया और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

दरअसल कॉलेज के लिए जिस जमीन का इस्तेमाल हुआ उसकी लीज एक पाकिस्तानी नागरिक से ली गई थी जबकि कोई विदेशी नागरिक किसी के नाम पर लीज कर ही नहीं सकता। यही नहीं, ऐसे में यह शत्रु संपत्ति की खरीद भी मानी जाएगी जो पूरी तरह अवैध है। इसके पहले भोपाल नवाब साजिदा सुल्तान की छोटी बहन राबिया सुल्तान से जमीन खरीदने के दस्तावेज पेश किये गए थे, लेकिन वो भी फर्जी थे। इधर, मामला अब कॉलेज की मान्यता और पुलिस केस के बाद बिल्डिंग परमिशन तक भी आ गया है, क्योंकि इस मामले में भी कोर्ट का फैसला जल्द आने की सम्भावना है।

विधायक मसूद के पारिवारिक स्वामित्व वाली अमन एजुकेशन सोसायटी ने इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज खोलने के लिए पहले दिन से ही फर्जीवाड़े का सहारा लिया। तत्कालीन कांग्रेस सरकार के दौरान जरूरी दस्तावेजों की खानापूर्ति की गई, जिनकी जांच कभी हुई नहीं। बाद में भाजपा सरकार के अफसरों को भी साध लिया गया लेकिन मामला कोर्ट में जाने से कलई खुलती चली गई।

रजिस्ट्री का नंबर हाउसिंग बोर्ड के मकान का

कॉलेज खोलने के लिए पहले जो दस्तावेज दिखाए गए उनमें जमीन साजिदा सुलतान की बहन राबिया से खरीदना बताया गया। लेकिन, राबिया जमीन की मालिक थी ही नहीं। उन्होंने किसी अन्य व्यक्ति के नाम से झूठा हिब्बानामा बनवाया और पहले खुद उससे जमीन खरीदी। इसके बाद इसे अमन सोसायटी को बेच दिया। दिलचस्प तथ्य यह है कि परी पार्क के जिस सब रजिस्ट्रार दफ्तर के दस्तावेज लगाए गए हैं वहां इसका कोई रिकॉर्ड ही नहीं है। रजिस्ट्री का जो नंबर बताया जा रहा है वह हाउसिंग बोर्ड के किसी मकान का है। वर्ष 2000 में राबिया सुलतान की मौत हो गई। सूत्र बताते हैं कि अमन सोसायटी को पता था कि फर्जी रजिस्ट्री का मामला कभी न कभी खुल सकता है, इसलिए सरदार खान नाम के व्यक्ति से लीज पर जमीन लेने के दस्तावेज तैयार कराए जो खुद ही जमीन का मालिक नहीं था। उसने खुद के नाम प्रॉपर्टी की अटॉर्नी होना बताया। नवाब परिवार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि परिवार की एक बेटी जिसकी शादी पाकिस्तान में हुई थी, सरदार उसका पति है। लीज के जो दस्तावेज बने उनमे उसकी पाकिस्तानी नागरिकता को छिपाया गया।

नया भवन बनाने का दावा

सूत्रों के अनुसार हाईकोर्ट में चली सुनवाई के दौरान कॉलेज की मान्यता बचाने के लिए अमन सोसाइटी की ओर से दावा किया गया कि उसने एक अन्य गांव में भवन का निर्माण कर लिया है, लेकिन उसके जो दस्तावेज प्रस्तुत किए गए उसमें गांव की पंचायत के सचिव के हस्ताक्षर नहीं होने से उसे मान्य नहीं किया गया।

बिल्डिंग परमिशन पर भी तलवार

शुरुआत में भोपाल नगर निगम ने कॉलेज भवन के लिए डीम्ड अनुमति जारी की। लेकिन मालिकाना हक फर्जी होने के कारण इसे रद्द कर दिया गया। इसके खिलाफ मामला अदालत में गया। फिलहाल हाईकोर्ट में केस नंबर 422 /2005 चल रहा है और सुनवाई लगभग पूरी हो चुकी है। माना जा रहा है की फैसले के बाद निगम भवन तोड़ने की कार्रवाई कर सकता है।

कैबिनेट बैठक

इलेक्ट्रॉनिक क्लस्टर व हर शहर में गीता भवन

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

दो सप्ताह बाद आज राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में इलेक्ट्रानिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0 की राजधानी में मंजूरी समेत कई शहरों में पहले चरण में गीता भवन बनाए जाने के नगरीय विकास और आवास विभाग के प्रस्ताव पर मंथन हुआ है। मुख्यमंत्री मोहन यादव मंत्रियों को 25 अगस्त को धार में होने वाले पीएम मित्र पार्क कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर चर्चा की। यादव ने कल ही दिल्ली में पीएम से मुलाकात की थी। बताते हैं कि भोपाल के समीप बैरसिया रोड बांदीखेड़ी में प्रस्तावित इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर को 210 एकड़ में आकार मिलेगा। इससे इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में निवेश की नई संभावनाएं पैदा होंगी। सरकार का मानना है कि यहां टेलीविजन, रेफ्रीजरेटर, कम्प्यूटर समेत कई तरह के इलेक्ट्रॉनिक समानों की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगेंगी। इसी तरह गीता भवन परियोजना के लिए सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। सभी निकाय क्षेत्रों में यह भवन तीन साल में बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही में पूंजीगत व्यय में वृद्धि वाले प्रथम तीन राज्यों में मध्य प्रदेश ने अपना स्थान बनाया है। कैग के आंकड़ों के अनुसार देश के 16 राज्यों ने पिछले वर्ष की तुलना में पूंजीगत व्यय में वृद्धि दर्ज की है । गुजरात 65 फीसदी, उत्तर प्रदेश 42 फीसदी और मध्य प्रदेश की उपलब्धि 41 फीसदी है। निर्यात रैंकिंग में सुधार किया गया है। यादव ने कहा कि हर्ष का विषय है कि इस दीपावली पर देश को बड़ा तोहफा मिलने वाला है। नई जनरेशन के लिए जीएसटी रिफॉर्म लागू किए जाएंगे।

मप्र में बारिश का स्ट्रांग सिस्टम

भोपाल। मप्र में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम बन रहा है और संभावना है कि महीने के आखिरी दिनों में पूरा मप्र भीगेगा। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग के जिलों में ज्यादा असर देखने को मिलेगा। यहां 21 अगस्त से अति भारी बारिश का अलर्ट है। आज आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में भारी बारिश का अलर्ट है। यहां साढ़े 4 इंच तक पानी गिरने का अनुमान है। इसके बाद सिस्टम और स्ट्रॉन्ग होगा। 21 और 22 अगस्त को दक्षिणी और पूर्वी हिस्सा तरबतर हो जाएगा।

मेट्रो एंकर

अंतरिक्ष मिशन को लेकर शुभांशु से मोदी का दिलचस्प संवाद

विदेशी हमारे बारे क्या सोचते हैं, पीएम का शुभांशु से सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी

जब किसी खास अंतरिक्ष मिशन पर कोई भारतीय जाता है तो विदेशी लोगों के मन में क्या सवाल रहता है? यह उत्सुकता भरा सवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से जब पूछा तो इस बारे में शुक्ला ने पीएम मोदी को पूरी बात बताई। उन्होंने मिशन गगनयान के बारे में विदेशी लोगों की उत्सुकता के बारे में भी बताया। पीएम ने इस मुलाकात का वीडियो साझा किया है। शुभांशु ने बताया कि मेरा निजी अनुभव है कि पिछले एक साल में जहां भी गया, जिससे भी मिला सभी लोग

बहुत खुश हुए, मुझसे मिलकर, काफी एक्साइटेड थे, बात करने में आ-आकर मुझसे पूछने में कि आप लोग क्या कर रहे हैं, कैसे कर रहे हैं और सबसे बड़ी बात ये थी कि सबको इसके बारे में मालूम था कि भारत स्पेस के क्षेत्र में क्या कर रहा है, सबको इस बारे में जानकारी थी। और सबसे ज्यादा तो कई लोग थे जो गगनयान के बारे में एक्साइटेड थे और आकर मुझसे पूछ रहे थे कि आपका मिशन कब जा रहा है, मेरे क्रू सहयोगी मुझसे साइन करके लेकर गए हैं कि जब आपका गगनयान मिशन जाएगा तो आप हमें बुलाइएगा उसके बाद जल्दी से जल्दी हमें आपके वीइकल में बैठकर जाना है, लोगों में बहुत ज्यादा उत्साह है। शुभांशु ने बताया कि अंतरिक्ष स्टेशन पर खाना एक बड़ी चुनौती है, जहां जगह कम होती है और कार्गो बहुत महंगा होता है। सारी चीजें अरेंज करना मुश्किल होता है। हमेशा कम से कम जगह में ज्यादा से ज्यादा कैलोरी और पोषक तत्व पैक करने की कोशिश रहती है। पीएम से मुलाकात के दौरान उन्होंने अंतरिक्ष में आने वाली कई बड़ी चुनौतियों के बार में भी बताया। शुभांशु ने कहा अंतरिक्ष में ग्रेविटी नहीं होती है। एक बार अंतरिक्ष में पहुंच गए तो फिर आपकी जिंदगी उस यान के अंदर ही सिमट जाती है। सीट बेल्ट खोलकर उसी कैप्सुल में मूव कर सकते हैं। अंतरिक्ष में पहुंचते ही शरीर में कई बदलाव होते हैं।

बाहर निकला तो गिरने लगा..

शुभांशु ने बताया कि अंतरिक्ष में बिल्कुल स्वस्थ था लेकिन जैसे ही यान से बाहर निकला तो मैं गिरने लगा। वहां खड़े डॉक्टरों ने मुझे संभाला। वहीं, ब्रेन को भी नए वातावरण को समझने में समय लगता है। आपकी बॉडी में एनर्जी है, मांसपेशियों में ताकत है लेकिन आपका ब्रेन असंतुलित हो जाता है, जिसे फिर ट्रेनिंग की जरूरत होती है। ब्रेन को नए वातावरण को समझाने की कोशिश की जाती है।

ट्रैफिक सिग्नल खराब

भोपाल। शहर के पुराने इलाके करोंद चौराहे पर लंबे समय से ट्रैफिक सिग्नल खराब पड़े हुए हैं, जिसके कारण यहां रोजाना अव्यवस्था का माहौल देखने को मिल रहा है। ट्रैफिक नियंत्रण न होने से अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है और वाहन चालकों को घंटों तक परेशानी झेलनी पड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रैफिक सिग्नल बंद होने की वजह से एक्सीडेंट का खतरा लगातार बना रहता है। आए दिन दोपहिया और चारपहिया वाहन आपस में टकराते हैं। खासकर ऑफिस और स्कूल टाइम में यहां लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सड़कों पर धूल का गुबार

आसमान में हवा साफ, सड़क पर सांस लेना हुआ मुश्किल

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी का मौसम नर्म गर्म बना हुआ है लेकिन हवा इन दिनों बहुत साफ है। कोहेफिजा में एयर क्वालिटी इंडेक्स 36, पर्यावरण परिसर में 51 और टीटी नगर में 38 दर्ज किया गया है। यानी राजधानी की हवा को 'गुड' कैटेगरी में रखा गया है। लेकिन जमीन पर अलग तरह का प्रदूषण लोगों की %नाक में दम% किए हुए हैं।

सड़कों पर गंदगी व धूल के गुबार से लोग संक्रमित भी हो रहे हैं और कई तरह की स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं। दरअसल बारिश के दौरान जो सड़के उखडी हैं वह अब वाहनों के गुजरने पर धूल का गुबार खड़ा कर रही हैं। कई जगह तो सड़कों पर इतनी धूल है कि कुछ मीटर के बाद देखना भी मुश्किल हो जाता है। यूं तो आमतौर पर बरसात में हवा शुद्ध हो जाती है क्योंकि बारिश हानिकारक गैसों और प्रदूषकों को घोलकर जमीन पर गिरा देती है। मगर इस बार समस्या अलग है क्योंकि पानी का गिरना जैसे ही बंद हुआ है तभी से यह बदहाल सड़के परेशान कर रही हैं। अब जब गाड़ियां गुजरती हैं तो धूल के कण हवा में फैलते हैं। इन कणों का साइज बड़ा होने से यह सीधे फेफड़ों और हृदय पर असर डालते हैं। यही वजह है कि एक्यूआई सामान्य होने के बावजूद धूलभरी सड़कों से स्वास्थ्य जोखिम कई गुना बढ़ गया है।

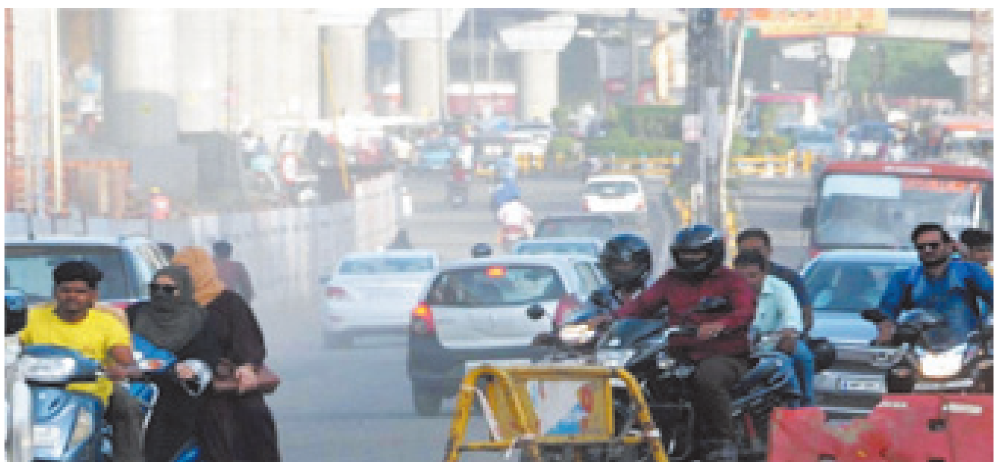

धुएं का मिश्रण और घातक

जानकार बताते हैं कि जब सड़क की धूल उड़ती है तो उसमें वाहनों से निकलने वाले धुएं का मिश्रण और घातक हो जाता है। इनमें नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और ओजोन जैसी जहरीली गैस शामिल होती हैं। यह प्रदूषण सामान्य स्मोक से भी ज्यादा खतरनाक है और श्वसन रोग, आंखों की समस्याएं, त्वचा संबंधी बीमारियां और खासकर कार्डियोवस्कुलर डिसीज का खतरा बढ़ा देता है। यह छोटे बच्चे और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कत देती हैं। दिल के मरीजों के लिए इस समय धूलभरी सड़कों पर चलना खतरनाक है।

सड़क पर गंदा पानी, न स्ट्रीट लाइट है, न ही ड्रेनेज नेटवर्क

भोपाल, दोहपर मेट्रो

बंगरिसया इलाके के पिपालिया कुंजनगढ़ की रहवासी कॉलोनी की बुनियादी समस्याओं को लेकर बड़ी मुसीबत हो रही है। हालात यह हैं कि चंद मिनटों की बारिश में ही कॉलोनी की जर्जर सड़कें कीचड़ से सन जाती हैं, जिससे आए दिन वाहन चालक और राहगीर फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। बावजूद इसके नगर-निगम के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा समस्याओं का समाधान नहीं कराया जा रहा है। रहवासियों की मानें तो उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों से लेकर सीएम हेल्पलाइन में भी कई बार शिकायतें की, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला। इतना ही नहीं कॉलोनीवासियों की समस्याओं को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधि भी सक्रियता नहीं दिखा रहे हैं। जिसके चलते छोटी-छोटी समस्याएं भी लोगों के लिए मुसीबत बन रही हैं। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि कॉलोनी में जलनिकासी के लिए बेहतर ड्रेनेज नेटवर्क नहीं है। इतना ही नहीं कचरा वाहन कभी-कभार ही आता है, जिससे जहां-तहां गंदगी बिखरी पड़ी है।

चंद मिनटों की बारिश में ही सड़कें कीचड़ से सन जाती हैं ऐसे में वाहन चालक अनियंत्रित होकर फिसल रहे हैं इसलिए जल्द से जल्द रोड बनाई जानी चाहिए, जिससे लोगों को राहत मिल सके।

शाम होते ही छा जाता है अंधेरा

जोन-19 वार्ड-85 के रहवासियों ने बताया कि कॉलोनी में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। लोगों के आवागमन के लिए न तो बेहतर सड़कें हैं और न ही जलनिकासी के लिए ड्रेनेज नेटवर्क। इतना ही नहीं सड़कों में स्ट्रीट लाइट भी नहीं लगी है, जिसके चलते शाम होते ही अंधेरा छा जाता है, जिससे आए दिन राहगीर और वाहन चालक फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों की मानें तो कॉलोनी की सर्विस रोड को काफी पहले बनाया गया था। इसके बाद न तो नगर-निगम के अधिकारियों ने सुध ली और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कोई सक्रियता दिखाई। जिसकी बदौलत कॉलोनी की अधिकांश सड़कों का न तो नए सिरे से निर्माण हो पाया और न ही रेनोवेशन। वर्तमान में हालात ऐसे हैं कि आवागमन करने वाले मुख्य मार्ग पर हिचकोले वाले गड्ढे ही गड्ढे हो गए हैं। जिसका खामियाजा अब रहवासी, राहगीर एवं वाहनों चालकों को भुगतना पड़ रहा है। कॉलोनी में अमृत योजना के तहत सीवेज नेटवर्क बनाया जाना है जिसकी वजह से सड़क का निर्माण कार्य रुका हुआ है, सीवेज नेटवर्क बनते ही सड़क का निर्माण कराया जाएगा। कॉलोनी की सड़कों का डेवलपमेंट जरूरी है क्योंकि इन दिनों सड़कों में गड्ढे ही गड्ढे दिखाई दे रहे हैं।

भारत भवन में मप्र रंगोत्सव की शुरुआत

लोकगीतों से बताई राम के जन्म से लेकर रावण वध तक की कथा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भारत भवन में मध्यप्रदेश रंगोत्सव का आगाज एक ऐसी प्रस्तुति से हुआ, जिसने दर्शकों को लोककला, लोकभाषा और परंपरा के जीवंत संसार से रूबरू करा दिया। सात दिवसीय इस नाट्य समारोह के पहले दिन मंचित हुआ नाटक 'आनंद रघुनंदन', जिसने अपने लोकगीतों, भावपूर्ण अभिनय और बघेली भाषा की मिठास से दर्शकों के मन में गहरी छाप छोड़ी। इस अवसर पर भारत भवन न्यास के सदस्य राजीव वर्मा और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित हुए। नाटक की प्रस्तुति आकार वेलफेयर सोसाइटी, सतना के कलाकारों ने दी। लगभग एक घंटा 50 मिनट की इस प्रस्तुति में कलाकारों ने बघेली बोली की लय और लचक के साथ ऐसा अभिनय किया कि दर्शक रामकथा के विविध प्रसंगों में खो गए।

विज्ञान मंथन यात्रा 2025-26 शुरू

550 स्कूली विद्यार्थी करेंगे वैज्ञानिक संस्थानों का भ्रमण

भोपाल, दोहपर मेट्रो

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, विज्ञान भवन में ऑनलाइन विज्ञान मंथन यात्रा 2025-26 का शुभारंभ सोमवार को किया गया। इस यात्रा में मध्यप्रदेश के कक्षा 8वीं एवं 9वीं के विद्यार्थी 18 से 21 अगस्त 2025 तक देश के आठ उत्कृष्ट संस्थानों का ऑनलाइन भ्रमण करेगे। विज्ञान मंथन यात्रा के लिये मध्यप्रदेश के 555 विद्यार्थियों का चयन किया गया। जो कार्यक्रम में सहभागी रहे। कार्यक्रम का संयोजन निरंजन शर्मा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी मिशन एक्सीलेंस द्वारा दिया गया। उदघाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. मनीष जैन कियेटिव लर्निंग सेन्टर आई. आई.टी गांधी नगर थे। मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और बताया कि परिषद द्वारा विद्यार्थियों के लिये विज्ञान मंथन का आयोजन कई वर्षो से किया जा रहा है। जिसमें कई विद्यार्थी लाभान्वित हुए है। परिषद की नवीन योजना विज्ञान पर्यटन के माध्यम से विद्यार्थियों को इसका लाभ प्रदेश के दूरस्थ अंचल तक पहुंचाया जायेगा। लैब ऑन व्हील के माध्यम से प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों में रिसर्च एवं इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. मनीष जैन आई.आई.टी गांधी नगर द्वारा विद्यार्थियों को रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी दी गयी एवं विभिन्न वैज्ञानिक पहेलियों द्वारा विद्यार्थियों से संवाद किया गया।

न्यूनतम विद्युत दुर्घटना के लिए ओएंडएम भोपाल सर्किल को चलित शील्ड

भोपाल, दोहपर मेट्रो

एम.पी.पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने न्यूनतम विद्युत दुर्घटना के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के भोपाल संचारण-संधारण सर्किल को चलित शील्ड प्रदान की है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने कहा कि किसी भी संस्थान की उत्तम कार्यप्रणाली का परिचायक उस संस्थान की त्रुटि रहित और दुर्घटना रहित कार्यप्रणाली रहती है। इस परिप्रेक्ष्य में भोपाल संचारण-संधारण सर्किल ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए कर्मियों की सुरक्षा एवं सजगता से न्यूनतम दुर्घटना का लक्ष्य अर्जित किया है। सिंघल ने इसके लिए भोपाल संचारण-संधारण सर्किल के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। गौरतलब है कि प्रतिवर्ष एम.पी.पॉवर मैनेजमेंट कंपनी विद्युत दुर्घटना की रोकथाम व इस दिशा में ठोस प्रयास करने वाले सर्किल को चलित शील्ड प्रदान कर सम्मानित करती है।

आरआरयू में प्रवेश के लिए 26 तक होंगे आवेदन

भोपाल। राष्ट्रीय रक्षा विवि (आरआरयू) में प्रवेश लेने अंतिम तिथि में बढ़ोतरी कर 26 अगस्त कर दी गई है। विद्यार्थी चार वर्षीय बीटेक इन कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (साइबर सिक्युरिटी) में प्रवेश में जेईई क्वालीफाई विद्यार्थी को प्राथमिकता दी जाएगी। आरसीईटी क्वालीफाई विद्यार्थी ही प्रवेश ले पाएंगे। वहीं पीजी डिप्लोमा इन साइबर सिक्युरिटी एंड डिजिटल फोरेंसिक्स की बीस सीट में बीटेक डिग्री होल्डर को प्रवेश दिया जाएगा। पीजी डिप्लोमा पुलिस साइंस एंड मैनेजमेंट बीस सीट और पीजी डिप्लोमा स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोर्स की बीस सीटों में प्रवेश लेने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उक्त दोनों पीजी डिप्लोमा में यूजी के पचास फीसदी अंक पर प्रवेश दिए जाएंगे।

मेट्रो एंकर

राजधानी से सटा इलाका बदहाल

लाल बसें बंद, बिजली गुल, सड़कें भी ध्वस्त

भोपाल, दोहपर मेट्रो

रातीबड़-सिकंदराबाद आवाजाही के लिए पहले लाल बसें चलती थी, जिससे बहुत राहत थी। इनके बंद होने से सैकड़ों रहवासी परेशान हो रहे हैं। वहीं, सिकंदराबाद तिराहे पर कब्जों के कारण आवाजाही करने वालों को परेशानी होती है, जाम भी लगता है। स्थानीय ग्रामीणों के आरोप हैं कि सिकंदराबाद में इस सीजन यानी बारिश में सबसे ज्यादा बिजली गुल होने की समस्या होती है। हल्की बारिश में ही बिजली कट होती है, इसके बाद बिजली कब आएगी, इस पर कोई जवाब नहीं देता है। इसके अलावा, ग्रामीण इलाके में फंड की कमी के कारण गांव की कई सड़कों पर सीसी और नाली निर्माण की जरुरत है। कुछ हैंडपंप भी खराब अथवा बेकार स्थिति में इसे सही करवाने के लिए प्रयास होने चाहिए, तो ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी। राजधानी के नजदीक रातीबड़ के पास स्थित सिकंदराबाद गांव जिले के बड़े गांवों में से एक हैं। वर्तमान में सिकंदराबाद के आसपास 6 से 7 हजार की आबादी निवास कर रही है। हालांकि एक दशक से इस गांव के आसपास लगातार जमीनें बिकने के कारण यहां पर कई कॉलोनियां, स्कूल-कॉलेज बन चुके हैं। इससे यहां से शहर के लिए आवाजाही करने वाले लोगों की संया लगातार बढ़ रही है। लेकिन रहवासियों का कहना है कि कुछ साल पहले तक संचालित लो-फ्लोर बसें बंद होने से अब सिंकदराबाद-रातीबड़ से भोपाल आने के लिए ग्रामीणों को खासी मशक्कत करनी पड़ती है। साधनों के अभाव में महंगा किराया देकर ऑटो व दूसरे साधनों से ही आवाजाही करनी पड़ती है। ऐसे में स्थानीय प्रशासन को राजधानी के नजदीक स्थित ग्रामीण इलाकों में आवाजाही के साधनों को उपलब्ध कराना चाहिए, क्योंकि गांव में इन दिनों शहर के लोग भी रह रहे हैं। लोगों का कहना है कि कहने को हमारा गांव सिकंदराबाद बड़े गांव में से एक है। यहां पर लगातार विकास कार्य और प्लॉटिंग होने से हजारों लोग रहने लगे हैं। ग्रामीणजन अघोषित बिजली कटौती से बहुत परेशान हो रहे हैं। थोड़ी बारिश में बिजली गुल हो जाती है। सुमेर सिंह, स्थानीय रहवासी

रहवासियों ने बताया कि कुछ साल पहले बढ़ती आबादी और लोगों के आवागमन को लेकर सिंगल सड़क पर निर्माण कराया गया था। लेकिन रातीबड़ से जैसे सिकंदराबाद के लिए मुड़ते हैं, तिराहे पर जमकर अतिक्रमण रहता है। यहां पर रोजाना दर्जनों की संख्या में हाथ-ठेले और अस्थाई कब्जों के कारण गांव आने-जाने वालों को बहुत परेशानी होती है। यह मार्ग सिकंदराबाद से होकर खजूरी सड़क यानी इंदौर रोड को जाता है। ऐसे में यहां से बहुत वाहन निकलते हैं।

सिकंदराबाद पंचायत में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। विधायक निधि और शासकीय फंड से काम हो रहे हैं। कुछ विकास कार्य होने बाकी हैं। प्रस्ताव बनाकर दिया है, जल्द ही सभी काम होंगे। लाल बसें बंद होने से सैकड़ों ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। यह बात सही है कि कुछ साल पहले निगम से बाहर जाने वाली लो-लोर बसों को नियम-कानून के अभाव में बंद कर दिया गया था। लेकिन निगम प्रशासन की फिर से योजना है, कि रातीबड़-सिकंदराबाद और आसपास के गांव के लिए बसें चलें।

महाकाल की राजसी सवारी पर हेलिकॉप्टर से बरसाए फूल सीएम ने बजाया डमरू

उज्जैन। उज्जैन में भगवान महाकाल की 6वीं सवारी राजसी अंदाज में निकाली गई। भगवान महाकाल 6 स्वरूपों(मुखारविंद) में प्रजा का हाल जानने निकले। सीएम डॉ. मोहन यादव भी इसमें शामिल हुए। उन्होंने डमरू भी बजाया। सवारी निकलने से पहले सीएम ने बाबा महाकाल का पूजन किया। सशस्त्र बल ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया। सवारी रामघाट पर पहुंची तो हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए गए। शिप्रा नदी के जल से भगवान का पूजन किया गया। रामघाट से सवारी गोपाल मंदिर पहुंची तो हरि और हर का मिलन हुआ। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी बेटे महाआर्यमन के साथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान का पूजन और दर्शन किए। 7 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 10 ड्रोन से पालकी पर पुष्पवर्षा भी की गई।

भोपाल समेत कई जिलों में डीपीसी के पद हैं खाली?

डीपीसी के लिए अब 21 सितंबर को होगी परीक्षा, अभी सूची स्पष्ट नहीं

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश में लंबे से प्रभारी के भरोसे चल रहे जिला परियोजना समन्वयक के पदों पर प्रतिनियुक्ति को लेकर प्रक्रिया उलझती नजर आ रही है। राज्य शिक्षा केंद्र अब तक आवेदन की संख्या और सूची को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं कर सका है। इसी बीच अब एक बार फिर परीक्षा की तारीख बढ़ाकर 21 सितंबर कर दी गई है।पूर्व में परीक्षा की तिथि 20 अगस्त को आयोजित की गई थी। बता दें कि वर्तमान में भोपाल डीपीसी का पद खाली है।

इसी तरह भोपाल समेत कई जिलों में डीपीसी के पद खाली है। अब इन पदों को भरने तथा भविष्य में खाली होने वाले पदों को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र भर्ती परीक्षा आयोजित कर रहा है। जिला परियोजना समन्वयक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर आने के इच्छुक स्कूल शिक्षा विभाग के प्राचार्य हाई स्कूल, व्याख्याता एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा

उम्मीदवारों के साक्षात्कार 10 सितंबर से 25 अक्टूबर से होंगे

संवर्ग के आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए थे, जिसके लिए 31 जुलाई अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। जिला परियोजना समन्वयक के लिए आयु सीमा 1 जनवरी 2025 को 56 वर्ष तक निर्धारित की गई है। इन अभ्यर्थियों का बीएड होना अनिवार्य है। आयु सीमा 1 जनवरी 2025 को 56 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। जिला परियोजना समन्वयक के पद पर पदस्थापना मप्र के किसी भी जिले में की जा सकती है।?

देश में अपनी तरह का पहला प्रयोग मप्र में

पशुओं का ब्लड बैंक बनेगा, एक दूसरे को दे सकेंगे खून, अगले महीने से सुविधा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र में पहली बार जानवरों के लिये भी ब्लड बैंक आकार लेने वाला है। यह देश में भी पहला प्रयोग होगा। जानवरों को भी इंसानों की तरह ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सुविधा मिलेगी। केंद्र सरकार ने पहली बार पशुओं के लिए ब्लड बैंक और ब्लड ट्रांसफ्यूजन की एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर) तैयार की है। इसके चलते अब कुत्ते, बिल्लियां और अन्य पशु मानकों को पूरा करने पर ब्लड डोनर बन सकेंगे। यह ब्लड बैंक सबसे पहले भोपाल में बनेगा। भोपाल में ब्लड बैंक स्थापित करने के लिए गुरु अंगद देव वेटनरी एंड एनिमल साइंसेस यूनिवर्सिटी लुधियाना में यहां के पशु चिकित्सकों को भेजा जा रहा है।

बताया जाता है कि आगामी माह अक्टूबर तक यह सुविधा शुरू करने की कोशिशें हो रही हैं। इस प्रोजेक्ट की मंजूरी में केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग की सचिव अलका उपाध्याय की भूमिका रही है, वे मप्र कॉडर की ही अधिकारी हैं। अब तक विभाग ने ब्लड बैंक की निविदा प्रक्रिया पूरी कर चुका है। अफसरों का कहना है कि ब्लड बैंक बनने के बाद पालतू पशु पालकों को जागरूक किया जाएगा, ताकि वे अपने कुत्ते या बिल्ली से स्वैच्छिक रक्तदान करा सकें। गाइडलाइन के तहत यदि डोनर डॉग हुआ तो उसकी उम्र 1 से 8 साल होनी चाहिए। वहीं, कम से कम 25 किलो वजन होना चाहिए। इसी तरह बिल्ली को डोनर तभी बनाया जा सकता है, जब उसकी उम्र 1-5 साल हो और कम से कम 4 किलो वजन हो। बताया जाता है कि पशु पूरी तरह स्वस्थ और वैक्सीनेटेड होने पर ही ब्लड डोनेशन कर पाएंगे। दूध पिलाने वाली गाय, बकरी या अन्य पशु ब्लड डोनेट नहीं कर पाएंगे। डाग हर 4-6 हफ्ते में, कैट हर 8-12 हफ्ते में ही ब्लड डोनेशन कर पाएंगे।

छोटे जानवरों के लिए उपलब्ध रहेगा रक्त

भोपाल में पुरानी जेल रोड स्थित राज्य पशु चिकित्सालय में देश का पहला पशुओं का ब्लड बैंक बनेगा। ब्लड बैंक के पहले चरण में छोटे जानवरों जैसे कुत्ते, बिल्ली और बकरी के लिए रक्त उपलब्ध रहेगा। पशुपालन विभाग की योजना है कि धीरे-धीरे बड़े जानवरों जैसे गाय, बैल और घोड़े के लिए भी ब्लड की व्यवस्था की जाएगी। अभी पशुओं के इस अस्पताल में ब्लड चढ़ाने की सुविधा है, लेकिन बैंक न होने से आपात स्थिति में रक्त मिलना मुश्किल हो जाता है। इससे कई बार गंभीर बीमार पशुओं की जान चली जाती थी। अब हादसों, सर्जरी, एनीमिया या किसी गंभीर बीमारी में पालतू या पशु की जिंदगी बचाने के लिए ब्लड बैंक नेटवर्क मौजूद रहेगा।

देश में 53 करोड़ से ज्यादा हैं पशु

जानकारी के मुताबिक देश में 53 करोड़ से ज्यादा पशु और 12.5 करोड़ से अधिक पालतू जानवर हैं, लेकिन अब तक इनके लिए कोई राष्ट्रीय ढांचा या रेग्युलेटेड ब्लड बैंक सिस्टम मौजूद नहीं है। लिहाजा नेशनल वेटरनरी ब्लड बैंक नेटवर्क बनाया जाएगा। इसमें डिजिटल डोनर रजिस्ट्री, रियल-टाइम ब्लड इन्वेंट्री सिस्टम, 24×7 हेल्पलाइन और ऑनलाइन पोर्टल व मोबाइल ऐप से डोनर-रिसीपीएंट मैचिंग जैसी सुविधाएं मिलेंगी। डोनेशन पूरी तरह स्वैच्छिक होगा।

उच्च शिक्षा मंत्री ने शिक्षाविदों के साथ की बैठक

कर्मयोगी बनें का विजन है प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत कर्मयोगी बनें के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए देश के लब्ध प्रतिष्ठित विद्वतजनों की उपस्थिति में सर्वोच्च परामर्शदायी समिति की प्रथम बैठक ली।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने उच्च शिक्षा में प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने को लेकर कर्मयोगी बनें के विज़न (दृष्टि) को रेखांकित किया। मंत्री परमार ने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता एवं जवाबदेहिता के लिए सरकार संकल्पित है। उच्च शैक्षणिक संस्थानों के परिवेश को सर्वसाधनसम्पन्न, विद्यार्थी अनुकूल, उत्कृष्ट एवं सकारात्मक बनाने के प्रयास लगातार जारी हैं।

कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता

मंत्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए सहानुभूति एवं सख्ती के समन्वय के साथ, विद्यार्थी केंद्रित कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है। परमार ने कहा कि प्राध्यापक के प्रति विद्यार्थी का लगाव बने और विद्यार्थी, प्राध्यापक के आचरण एवं व्यक्तित्व का अनुसरण करें, इसके लिए प्राध्यापकों को अपनी जवाबदेहिता स्वत : ही सुनिश्चित करनी होगी। प्राध्यापकों के लिए भी सहानुभूति एवं सख्ती दोनों के समन्वय के साथ, शिक्षक प्रशिक्षण के लिए कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है।

मप्र में जर्मन प्रतिनिधिमंडल, तलाशे अवसर

भोपाल। इंदौर स्थित इन्फोबीन्स कैंपस में एमपी-ग्लोबल इनोवेशन एवं अनुसंधान और विकास एक्सचेंज प्रोग्राम-2025 की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। पांच दिवसीय इस आयोजन के प्रथम दिवस पर जर्मन व्यवसायिक प्रतिनिधिमंडल ने कॉर्पोरेट इंटरैक्शन की श्रृंखला में भाग लिया और मध्यप्रदेश में नवाचार तथा अनुसंधान और विकास की संभावनाओं का गहन अवलोकन किया। यह कार्यक्रम एमपीआईडीसी और जर्मन-इंडिया इनोवेशन कोर (जीआईआईसी) के बीच हुए समझौते का ठोस स्वरूप है, जिसे इन्क्यूबेशन मार्क्स के सहयोग से आयोजित किया गया। नवंबर 2024 में मुख्यमंत्री की जर्मनी यात्रा तथा भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के दौरान हुए इस एमओयू ने द्विपक्षीय सहयोग को नए आयाम दिए हैं। इसके तहत जर्मन निवेशकों को मध्यप्रदेश में प्रमुख निवेश स्थान के रूप में आकर्षित करने, नवाचार और अनुसंधान को सशक्त बनाने तथा तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों के लिए हेल्पलाइन 181 और 1098 बनी संबल

भोपाल। जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों के लिए प्रदेश में चलाई जा रही हैल्पलाइन 181 और 1098 संबल बन गई है। महिला एवं बाल विकास सचिव श्रीमती जी.व्ही. रश्मि ने सोमवार को विभागीय नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण कर हैल्पलाइन नम्बर 181 (महिला हैल्पलाइन) और 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कॉल प्रबंधन, शिकायत पंजीकरण एवं उनके निराकरण की प्रक्रिया का विस्तृत अवलोकन किया। सचिव रश्मि ने कॉल रिस्पॉन्स, डेटा प्रबंधन प्रणाली तथा आपात स्थितियों में विभिन्न विभागों के साथ समन्वय की कार्यशैली की सराहना की।

उन्होंने नियंत्रण कक्ष में कार्यरत कर्मचारियों से चर्चा कर उनकी चुनौतियों की जानकारी भी प्राप्त की। रश्मि ने कहा कि हैल्पलाइन का उद्देश्य केवल शिकायत दर्ज करना नहीं है, बल्कि प्रत्येक पीड़ित महिला और बच्चे को सुरक्षा, सहयोग और न्याय दिलाना है। दोनों हेल्पलाइनें पूरी निष्ठा और सेवा-भाव से कार्य करते हुए समय पर सहायता सुनिश्चित कर रही हैं।

मेट्रो एंकर

प्रदेश का गौरव बढ़ाया छिंदवाड़ा की सरपंच कविता धुर्वे ने

स्वच्छ भारत मिशन में उत्कृष्ट कार्यों के लिए मिला सम्मान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली के लाल किले में आयोजित समारोह में छिन्दवाड़ा जिले की जनपद पंचायत जुन्नारदेव की जनजातीय बहुल ग्राम पंचायत खुमकाल की सरपंच कविता शनिराम धुर्वे ने विशिष्ट अतिथि का गौरव पाकर पूरे मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है। धुर्वे पर आज छिंदवाड़ा के साथ संपूर्ण प्रदेश गर्व कर रहा है। कविता धुर्वे का यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि जनजातीय बहुल क्षेत्र से महिलाओं की सशक्त पहचान का भी प्रतीक है। राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान से जनजातीय समाज में गर्व और खुशी की लहर है।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय

मंत्री के.आर. पाटिल तथा मंत्रालय की प्रमुख सचिव देवोलीना मुखर्जी की उपस्थिति में उन्हें स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत किए गए प्रेरणादायक नवाचारों और उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान पत्र प्रदान किया गया। खुमकाल सरपंच धुर्वे ने अपनी ग्राम पंचायत में स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने में पूरी ताकत झोंक दी। उनके द्वारा ग्राम पंचायत खुमकाल में विभिन्न नवाचार किये गये। उनके द्वारा 'कबाड़ से जुगाड़' की थीम पर जनसहयोग से स्वच्छता पार्क तैयार किया गया, जिसमें स्वच्छ भारत मिशन की टीम का विशेष योगदान रहा। ग्राम आराडोंगरी को ओडीएफ प्लस मॉडल गांव के रूप में विकसित करने के लिए चौपाल, ग्राम सभा एवं गृह भेंटों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाया गया। ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कम्पोज्ड पिट, प्लास्टिक संग्रहण यूनिट, सॉकपिट और मैजिक पिट का निर्माण कराया गया। सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त ग्राम की दिशा में कार्य करते हुए ग्रामीणों को कपड़े के थैले वितरित किए गए। सरपंच कविता धुर्वे के नवाचारों को ग्रामीणों के साथ ही छिंदवाड़ा जिला प्रशासन का भी पूरा-पूरा सहयोग मिला। नवाचारों को मिले प्रोत्साहन से महिला सरपंचों को नवाचार के लिए प्रेरणा मिली।

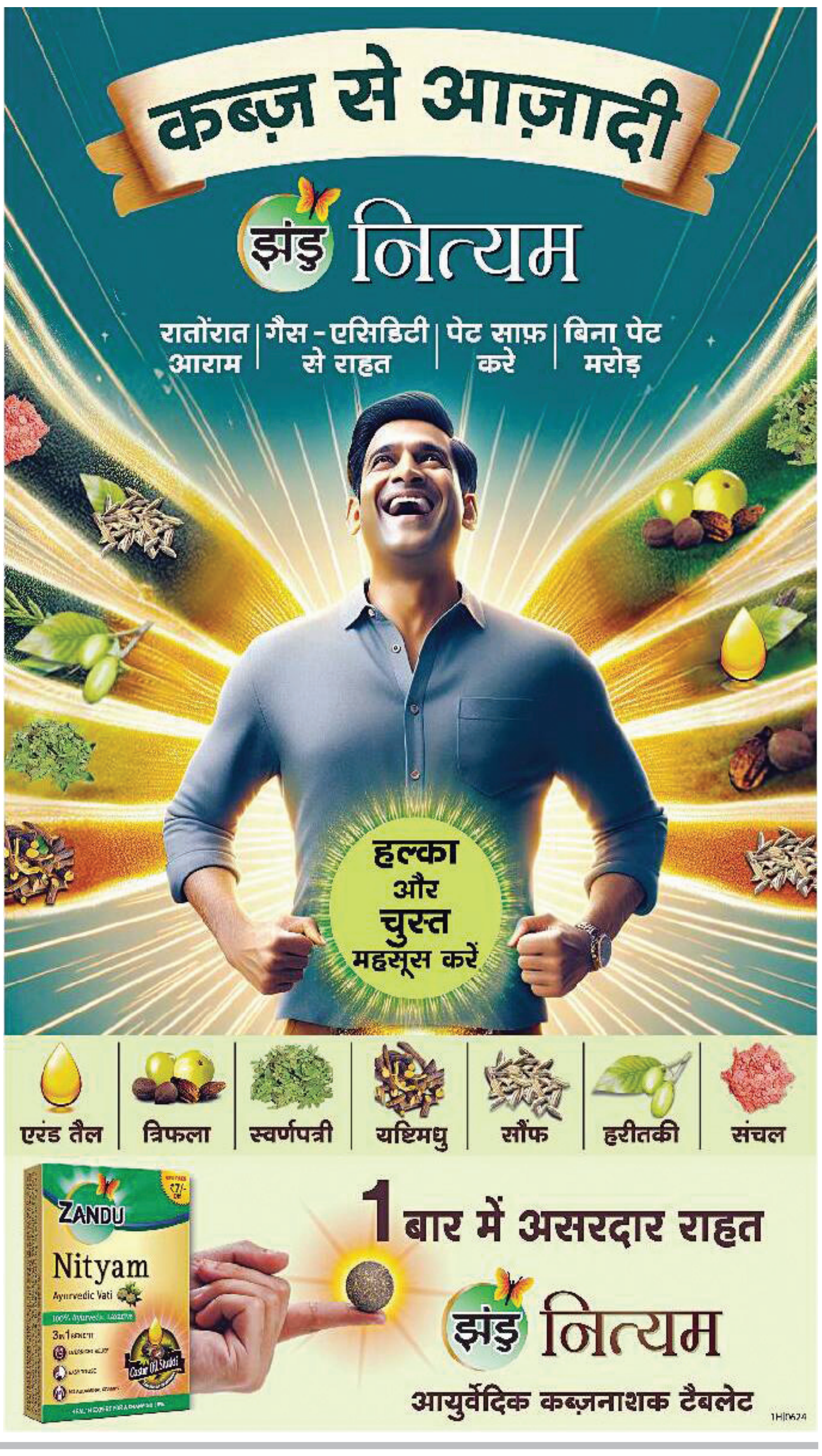

संपादकीय

बाजार को इंतजार बहार का

लंबे समय से बहस,तर्क और सियासत का मुद्दा बना जीएसटी यदि अपनी सुर्खी यानि दरें कम करने के करीब है तो बाजार से लेकर परिवारो तक में बहुत उत्सुकता है। बाजार को इंतजार है कारोबार बढने का तथा कारोबार से जुडी जीएसटी की पेचीदगियां कम होने का। अभी तीन दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका ऐलान कर चुके है। प्रधानमंत्री ने जो कहा है उसमें अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक कार्यबल का गठन करना भी शामिल है। यह कार्य बल एक निश्चित समय सीमा में आर्थिक गतिविधियों से संबंधित कानूनों, नियम-शर्तों एवं प्रक्रियाओं की समीक्षा करेगा। हालांकि एक विनियमन आयोग की स्थापना की भी बात कही गई थी मगर इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हो पाई। मगर वस्तु एवं सेवा कर यानि जीएसटी में अब संभवतः ज्यादातर वस्तु एवं सेवाएं दो कर श्रेणियों यानि 5 फीसदी और 18 फीसदी में आ जाएंगी, जबकि हानिकारक वस्तुओं के लिए 40 फीसदी की एक अलग कर श्रेणी तैयार की जाएगी। यह कदम जीएसटी में कर संरचना सरल बना देगा और नियमों का अनुपालन भी मजबूत हो जाएगा। दरों को सुसंगत बनाने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। मगर सरकार को अपने राजस्व से जुड़े पहलुओं का बेहतर तरीके से प्रबंधन करना होगा। प्रधानमंत्री ने भारत की व्यापक आर्थिक स्थिरता का भी जिक्र किया, जो वर्ष 2014 से सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक रही है। इसके अलावा निकट अवधि में निवेश की दशा एवं दिशा अमेरिका के साथ व्यापार के मोर्चे पर जारी गतिरोध पर भी निर्भर हैं। यह फिलहाल देश की आर्थिक वृद्धि के लिए व्यापार से जुड़ी अनिश्चितता सबसे बड़ा खतरा है। खबरें आती रही हैं कि अमेरिका के साथ जारी व्यापार वार्ता में कृषि क्षेत्र दोनों देशों के बीच असहमति की एक बड़ी वजह रही है। रूस से तेल आयात के लिए अमेरिका ने जब से भारत पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की बात कही है तब से स्थिति और पेचीदा हो गई है। इसमें कोई शक नहीं कि भारत को अपने किसानों के हितों की रक्षा करने की आवश्यकता है क्योंकि यह क्षेत्र देश की आधी आबादी के लिए जीविकोपार्जन का प्रमुख स्त्रोत है। मगर यह क्षेत्र अन्य देशों के साथ भी व्यापार वार्ताओं में विवाद का एक प्रमुख विषय रहा है। लिहाजा, सही संतुलन स्थापित करने के लिए स्थिति का मूल्यांकन बेहद आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने कुछ अन्य महत्वपूर्ण बातें भी कहीं हैं। जहां तक रक्षा क्षेत्र की बात है तो इस पर किसी तरह की बहस की गुंजाइश नहीं है कि पड़ोसी देशों से लोगों को अवैध रूप से भारत में घुसने और रहने नहीं देना चाहिए। किंतु, इस मिशन में इसका भी ख्याल रखा जाना चाहिए कि इन क्षेत्रों में रहने वाले गरीब एवं पिछड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े। कुल मिलाकर, भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य हासिल करने के लिए और तेज गति के साथ आगे बढ़ना होगा। वर्तमान में व्यापार से जुड़े विषय सुलझाना बड़ी प्राथमिकता है, लेकिन तात्कालिक तौर पर जीएसटी सुधार एवं अगली पीढ़ी के व्यापाक सुधारों की घोषणाएं संभावित आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। बाजार व खरीदार बेसब्री से जीएसटी दरों के नये ढांचे की प्रतीक्षा कर रहे हैं लेकिन यह भी आशंका है कि कहीं जीएसटी में कमी की भरपाई किसी अन्य टैक्स से तो नहीं की जाएगी। क्योंकि सरकार पर अपनी कई बडी परियोजना पूरी करना हैं। स्थपना व्यय भी बढा हुआ है और रक्षाक्षेत्र में भी और ज्यादा मजबूती के लिए पैसों की दरकार है।

> अपनी परिस्थितियों पर विचार न करनेवाला व्यक्ति मूर्ख होता है।
> - अमृतलाल नागर

कविता

सेंकते हम रोटी !

- कृष्णेन्द्र राय

छोटी छोटी घटना पर।
सेंकते हम रोटी ।।
करनी राजनीति है।
बात नहीं ये छोटी ।।
कोशिश लगातार है।
टूट न जाए क्रम ।।
रहना हमको ज़िंदा।
ना इसमें हो भ्रम ।।
होंगे लाख जलील पर।
ना लाना बदलाव ।।
जनता ने ठुकरा कर।
दिया बराबर घाव ।।
मुद्दों की हम खोज में।
है लाना हर हाल ।।
भले लाख हम पर।
उठते हों सवाल ।।

आज का इतिहास

- 1666 - शिवाजी आगरा में फलों की टोकरी में छिपकर औरंगजेब की कैद से फरार।
- 1757- ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा पहला एक रुपये का सिक्का ढाला गया।
- 1796 - स्पेन और फ्रांस ने ब्रिटेन गठबंधन के खिलाफ हस्ताक्षर किये।
- 1919 - अफगानिस्तान ने ब्रिटेन से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1944- भारत से जापान की अंतिम सैन्य टुकड़ी को खदेडा गया।
- 1949 - भुवनेश्वर ओडिशा की राजधानी बनी।
- 1964 - संचार उपग्रह सिनकोम 3 का प्रक्षेपण।
- 1977 - सोवियत संघ ने सेरी सागान में परमाणु परीक्षण किया।
- 1978 - ईरान के सिनेमा घर में आग लगने से 422 की मौत।
- 1998 - सूडान एवं अफगानिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर संयुक्त राज्य अमेरिका ने मिसाइलों से हमला किया।
- 1999 - भारत की परमाणु नीति मसौदे पर नाराज़ जी-8 ने सभी तरह की मदद पर रोक लगाने की घोषणा की।
- 2000 - हिना जलाली विश्व की पहली मानवाधिकार संरक्षक प्रतिनिधि नियुक्त।
- 2003 - संयुक्त राज्य अमेरिका ने पाकिस्तान को 5 साल में 11 करोड़ 57 लाख डालर का अनुदान देने का निर्णय लिया।
- 2004 - वान डेन हुगेनबैंड ओलम्पिक सबसे तेज तैराक बने।
- 2005 - श्रीलंका सरकार व लिट्टे में शांति वार्ता फिर शुरू करने पर सहमति।
- 2006 - इस्रायल ने फिलिस्तीनी उपप्रधानमंत्री को गिरफ्तार किया।
- 2007 - अंतरिक्ष स्टेशन पर गये मिशन एण्डेवर के यात्रियों ने स्पेसवॉक पूरा किया।
- 2008 - पाइमान की सहायक कार्यकारी निदेशक मोसारत कदीय व एसोमैच के अध्यक्ष साजन जिंदल ने भारत-पाक व्यापार संबंधी रिपोर्ट जारी की।
- 2009 - नौसेना के कमांडर दिलीप डोंडी स्वदेश निर्मित नैसेना नौका महादेई के द्वारा सम्पूर्ण विश्व की यात्रा के अभियान पर रवाना हुये।

जन आंदोलन से ही परमाणु हथियार मुक्त विश्व संभव

■ श्याम सरन

बीते दिनों जापान के दो शहर, हिरोशिमा और नागासाकी पर, क्रमशः 6 और 9 अगस्त, 1945 को हुए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी मनाई गई। इन बम विस्फोटों से जितनी भीषण मानवीय हानि हुई, वह हमलावरों द्वारा बमों को दिए गए मासूम नाम - लिटिल बॉय और फैट मैन - की क्रूर विडंबना से ही कम हो गयी थी। जिस विमान से बम गिराया गया था, उसके पायलट के लिए मानो 'यमराज के वाहन' को चलाना उसके जीवन का एक गौरवशाली क्षण था, तभी तो उसका नामकरण अपनी मां एनोला गे के नाम पर कर रखा था। जो दुष्टता की चरम सीमा थी।

जैसे-जैसे साल बीतते गए, उन भयावह घटनाओं की यादें- वे पिघलते मानव शरीर और वाष्पीकृत हुए बदन, धमाके के चलते घड़ी की थम गई सुइयां, और मशरूम रूपी बादल का भयानक आतंक जो सर्वनाश का प्रतीक बन गया -वक्त के साथ धुंधली होती गईं। ऐसा होना नहीं चाहिए था। इतने विशाल स्तर और तीव्रता वाले सर्वनाश का खतरा एक व्यापक आत्मसंतुष्टि के तले दबता जा रहा है। युवा पीढ़ियां इस दुखद इतिहास से बहुत कम परिचित हैं, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ही काम करना होगा कि यह प्रलयंकारी घटना फिर कभी न घटने पाए।यह सत्य है कि हिरोशिमा और नागासाकी के बाद से ही परमाणु हथियारों के इस्तेमाल करने को संयम बना रहा। परंतु इन परमाणु धमाकों के बाद की गई अनेकानेक आशावादी भविष्यवाणियों के विपरीत, परमाणु हथियार संपन्न देशों की संख्या मूल पांच (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन) से बढ़कर आज 9 हो गई है (इस्राइल, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के जुड़ने से)। यह भी तथ्य है कि परमाणु हथियारों का वैश्विक भंडार मुख्यतः अमेरिका और रूस के शस्त्रागारों में है, जिनकी गिनती शीत युद्ध के दौरान रही अधिकतम 40,000 से घटकर आज लगभग 14,000 रह गई है, आज भी अमेरिका और रूस के भंडार सबसे बड़े हैं। यह आशा की किरण कही जा सकती है, लेकिन जब तक परमाणु हथियार मौजूद रहेंगे, परमाणु सर्वनाश का खतरा मंडराता रहेगा।

चिंता की बात यह है कि परमाणु हथियार-मुक्त विश्व के आह्वान में नागरिक समाज की लामबंदी और सक्रियता का अभाव है। साल 1980 के दशक में, जब लेखक जिनेवा स्थित निरस्त्रीकरण समिति में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था, तब यूरोप में परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर सबसे मुखर अभियान चला हुआ था। यहां तक कि महाबोधि सोसायटी अपने प्रमुख, फुजी गुरु के नेतृत्व में, परिषद कक्ष के बाहर खड़ी होकर शांति-मंत्र जपती रही, जो कि केवल एक जापानी कार्यकर्ता ही कर सकता था, दुनिया को यह याद दिलाने के लिए कि हिरोशिमा और नागासाकी परमाणु हथियार-मुक्त विश्व प्राप्ति में एक आवश्यक कारण बने रहें।बाद में, सदी के अंत में, मैं 'ग्लोबल ज़ीरो' नामक आंदोलन का हिस्सा था, जिसने परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया के लिए जुनून और दृढ़ता के साथ अभियान चलाया। इसका नेतृत्व ब्रूस जी ब्लेयर ने किया था, जो कभी अमेरिकी परमाणु कमान और नियंत्रण केंद्र का हिस्सा रहे थे और परमाणु शांति की नाजुकता को अच्छी तरह समझते थे। ब्लेयर का 2020 में निधन हो गया और इस आंदोलन ने अपनी गति और ऊर्जा खो दी। मेरा मानना है कि वैश्विक स्तर पर नागरिक समाज आंदोलन के बगैर, परमाणु हथियार-मुक्त विश्व की कल्पना महज मरीचिका ही रहेगी। वैश्विक परमाणु नियंत्रण व्यवस्था की स्थिरता पर संदेह करने के कई कारण हैं। पूर्व-निवारण परमाणु सिद्धांत, जिनको लेकर दावा किया जाता है कि उनकी वजह से पिछले 80 वर्षों में परमाणु शांति कायम रही है, उसका प्रभाव सदा से संदिग्ध रहा है और आज तो और भी अधिक संदेहास्पद है। पूर्व-निवारण परमाणु पहल के अधिकांश सिद्धांत तत्कालीन सोवियत संघ नीत पूर्वी जगत और अमेरिका, ब्रिटेन एवं फ्रांस की अगुवाई वाली पश्चिमी दुनिया के बीच अनिवार्य रूप से द्वि-आधारीय (बाइनरी) समीकरण से विकसित हुए थे।अवधारणाएं जैसे कि पारस्परिक विनाश की मंशा (परमाणु अस्त्रों से एक-दूसरे का सर्वनाश करने की क्षमता, चाहे पहल किसी भी पक्ष ने की हो) और क्रमिक प्रतिक्रिया में बढ़ोतरी (या फिर यह धारणा कि सीमित क्षमता के परमाणु बमों के उपयोग से बेरोकटोक परस्पर बमबारी के फैलाव को रोकना संभव हो सकता है)। ऐसी सोच वास्तविकता का प्रतिबिम्ब होने की बजाय दिमागी खेल ज्यादा है। यदि पूर्व-निवारण परमाणु पहल, द्वि-आधारीय संदर्भ में भी, इतनी जटिल साबित हो चुकी है, तब परमाणु हथियार संपन्न अनेक देशों वाले परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है?क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप के परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी असंभव होने से, परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच संबंधों का प्रबंधन कहीं अधिक जटिल और अप्रत्याशित बनने का खतरा बन गया है। सभी परमाणु-हथियार संपन्न देशों की भागीदारी वाली बहुपक्षीय वार्ताओं से ही परमाणु युद्ध के खतरे का समाधान संभव है।

शुरुआत परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच एक बहुपक्षीय समझौते से की जा सकती है कि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने में वे कभी भी पहल न करेंगे और आदर्श रूप से तो, वे उनका इस्तेमाल ही न करने या उपयोग करने की धमकी न देने का प्रण करें। इस किस्म का समझौता इन दिनों जारी लड़ाई में रूस को यूक्रेन के खिलाफ सीमित क्षमता के परमाणु हथियार के इस्तेमाल की बात करने से रोक सकता। परमाणु युद्ध का खतरे बढ़ाने में तकनीक भी एक भूमिका निभा रही है। एक अपरिष्कृत किंतु अत्यधिक विनाशकारी अस्त्र बना सकने की तकनीक अब आसानी से उपलब्ध है। पूर्व-निवारण चोट दुश्मन राष्ट्र के खिलाफ तो कारगर हो सकती है, लेकिन गैर-राज्यीय ताकतों से निबटने में अप्रासंगिक हो जाती है। यह कल्पना की जा सकती है कि कोई आतंकवादी या जिहादी समूह किसी खतरनाक हथियार या अस्त्र को हथियाकर, उसे किसी दूसरे देश के क्षेत्र से, उसकी जानकारी और मिलीभगत के बिना भी, अपने लक्षित देश पर दाग दे। तब क्या उस देश के विरुद्ध परमाणु हथियारों से की जाने वाली जवाबी कार्रवाई न्यायोचित होगी जिसकी भूमि का इस्तेमाल अस्त्र दागने में किया गया? यह कल्पना भी की जा सकती है कि परमाणु अस्त्र लक्षित देश के अपने क्षेत्र के भीतर से दाग दिया जाए। तब इस मामले में जवाबी परमाणु कार्रवाई का क्या अर्थ होगा?

परमाणु हथियार अब साइबर प्रणालियों के साथ भी जुड़ गए हैं और निशाना साधने के लिए उपग्रह प्रणालियों पर निर्भर हैं। पहले से ही एक परमाणु-साइबर-स्पेस अबाध क्रम प्रणाली मौजूद है और इस अबाध क्रम में किसी भी बिंदु पर बनी रुकावट परमाणु हथियारों के आकस्मिक उपयोग किए जाने या फिर मिथ्या चेतावनी समय से पहले जवाबी कार्रवाई शुरू करने का कारण बन सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग और निर्णय-प्रक्रिया में कम हो रहा मानवीय दखल, परमाणु खतरे को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक बढ़ा देगा। हम एक ऐसे भविष्य की ओर तेज़ी से बढ़ रहे हैं जिसमें हमारे अपने विनाश के बीज छिपे हैं।पवित्र स्मारकों पर श्रद्धासुमन से कहीं ज़्यादा विचार करने लायक है हिरोशिमा और नागासाकी की भयावहता- एक ऐसी चेतावनी जिस पर ध्यान देना आवश्यक है।

साभार : लेखक पूर्व विदेश सचिव हैं।

संसद के शोर में गुम हो गए रेलवे के बड़े सुधार

■ संजीव कुमार मिश्र

संसद का मानसून सत्र इस बार अपने मूल उद्देश्य से भटकता नजर आ रहा है. जनहित के मुद्दों पर गंभीर बहस की जगह नारेबाजी,टकराव और राजनीतिक बयानबाजी सुर्खियों में रही.लोकतंत्र के इस सबसे बड़े मंच का इस्तेमाल जहां आम आदमी की जिंदगी बदलने वाली योजनाओं पर चर्चा के लिए होना चाहिए था,वहां बार-बार कार्यवाही बाधित होती रही. इस राजनीतिक कोलाहल में कई अहम नीतिगत फैसले दब गए. ऐसे ही एक फैसले पर न तो मीडिया ने उतना ध्यान दिया और न ही आम जनता में इसकी व्यापक चर्चा हो पाई. भारतीय रेलवे का अब तक का सबसे बड़ा सुरक्षा अपग्रेड, इसके तहत देशभर के 74 हजार यात्री डिब्बों और 15 हजार इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। भारतीय रेलवे केवल एक परिवहन व्यवस्था नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक रीढ़ है. यह हर दिन 2.3 करोड़ यात्रियों को उनकी मंज़िल तक पहुंचाती है. इतनी बड़ी संख्या किसी पूरे देश की आबादी के बराबर है.रेल यात्रा भारत के हर वर्ग, हर राज्य, हर धर्म और हर पेशे के लोगों को जोड़ती है. लेकिन इस व्यापक नेटवर्क में सुरक्षा हमेशा से एक चुनौती रही है. चोरी, छेड़छाड़, तोड़फोड़, लूटपाट, और यहां तक कि अपहरण जैसी घटनाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं।

रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस जैसी सुरक्षा एजेंसियों की संख्या सीमित है. कई बार एक लंबी दूरी की ट्रेन में सिर्फ एक-दो सशस्त्र कर्मी मौजूद होते हैं. ऐसे में यात्रियों का भरोसा अक्सर उनकी अपनी सतर्कता पर ही टिका रहता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में लिखित जवाब में बताया कि रेलवे ने सुरक्षा के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की है, इसमें आधुनिक सीसीटीवी कैमरे, रियल-टाइम मॉनिटरिंग और भविष्य में ढ्ढ तकनीक को शामिल किया जाएगा। इसके तहत हर यात्री डिब्बे में चार कैमरे दोनों प्रवेश द्वारों पर लगाए जाएंगे, ताकि चढ़ने-उतरने वाले हर यात्री की रिकॉर्डिंग हो सके.हर इंजन में छह कैमरे आगे, पीछे, दोनों साइड और दोनों कैब में ताकि ट्रैक सिग्नल और लोको पायलट के कार्यक्षेत्र की निगरानी हो सके. दो हाई ग्रेड माइक्रोफोन इंजन डेस्क पर, जिससे आवाज रिकॉर्डिंग भी संभव हो और संचार बेहतर हो सके.ये कैमरे स्ञत्त्ष्ट प्रमाणित उपकरण जो 100 किमी/घंटा या उससे अधिक गति पर भी साफ फुटेज दें।

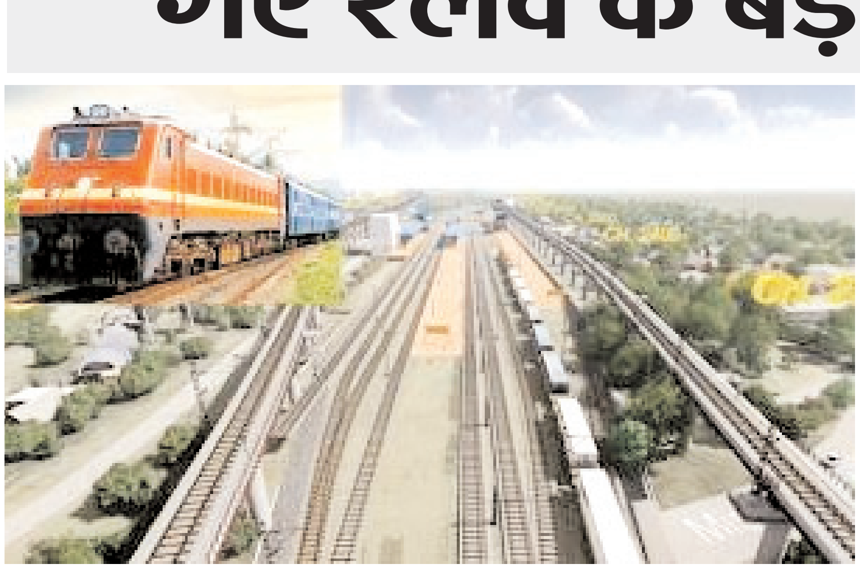

कैमरे लगने के साथ सबसे पहला सवाल आता है, क्या इससे यात्रियों की निजता प्रभावित होगी? रेलवे ने साफ किया है कि कैमरे केवल सार्वजनिक हिस्सों में होंगे, जैसे कोच के दरवाजों के पास.बर्थ और टॉयलेट जैसी निजी जगहों पर कैमरे नहीं होंगे.इस तरह रेलवे ने सुरक्षा और निजता के बीच एक संतुलित व्यवस्था बनाई है। रेल मंत्री की ओर से पेश जोनवार आंकड़े बताते हैं कि यह योजना केवल कागज पर नहीं, बल्कि धरातल पर तेजी से आगे बढ़ रही है.अब तक 11,535 डिब्बों में कैमरे लगाए जा चुके हैं. रेल मंत्री के मुताबिक पश्चिम रेलवे - 1,679,मध्य रेलवे -1,320, दक्षिण रेलवे - 1,149, उत्तर रेलवे - 1,125, दक्षिण मध्य रेलवे - 753, पूर्व रेलवे - 1,131, पूर्व तट रेलवे - 823, पूर्वोत्तर रेलवे - 509, उत्तर मध्य रेलवे -339, दक्षिण पश्चिम रेलवे- 529, दक्षिण पूर्व रेलवे - 575, पश्चिम मध्य रेलवे - 266, पूर्व मध्य रेलवे - 437, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे - 280, उत्तर पश्चिम रेलवे - 285, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे -335 डिब्बों में कैमरे लगाए गए हैं। महिलाओं के लिए रात की ट्रेन यात्राएं अक्सर असुरक्षा से भरी होती हैं. अंधेरा, लंबा सफर और अपरिचित माहौल ये सब मिलकर असहजता बढ़ा देते हैं. सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी, संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत निगरानी रखेगी, अपराधियों में डर पैदा करेगी,जांच में पुख्ता सबूत देगी. कई महिला अधिकार संगठनों का मानना है कि यह पहल ट्रेन यात्रा को महिलाओं के लिए और अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद बनाएगी। रेलवे की योजना यहीं खत्म नहीं होती. अगला चरण और भी हाई-टेक होगा. इसके तहत कृत्रिम मेधा (ढ्ढ) के जरिए संदिग्ध गतिविधियों की पहचान की जाएगी.फेस रिकग्निशन सिस्टम से वांछित अपराधियों का पता लगाया जाएगा.रियल-टाइम अलर्ट से तुरंत कार्रवाई की जाएगी.इससे रेलवे सुरक्षा प्रतिक्रिया आधारित से प्रोएक्टिव हो जाएगी।

दुर्भाग्य है कि संसद में इस योजना पर उतनी चर्चा नहीं हो पाई जितनी जरूरी थी. राजनीतिक बयानबाज़ी और हंगामे ने इस पहल को सुर्खियों से दूर कर दिया.मीडिया में भी राजनीतिक विवादों को प्राथमिकता मिली, जबकि यह योजना हर वर्ग, हर क्षेत्र, हर धर्म के यात्रियों को बराबर लाभ देने वाली है।जब हम स्मार्ट सिटी, बुलेट ट्रेन और डिजिटल इंडिया की बात करते हैं, तो सुरक्षित यात्रा भी उतनी ही अहम है. रेलवे का यह कदम सिर्फ एक तकनीकी अपग्रेड नहीं, बल्कि यात्रियों के लिए भरोसे का नया इन्फ्रास्ट्रक्चर है।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

बच्चों के लिए पार्क और आंगनबाड़ी केंद्र बनाए जाएंगे

लंबे इंतजार के बाद विधायक व नपा अध्यक्ष ने किया 39 लाख के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

इटारसी। दोपहर मेट्रो

विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा और नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने न्यास कालोनी में कुल लगभग 39 रुपए लाख की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। जिस वक्त भूमिपूजन कार्यक्रम चल रहा था, जोरदार बारिश प्रारंभ हो गई। जनप्रतिनिधियों ने गिरते पानी में ही छाता लगाकर कार्यक्रम को पूर्ण किया। गिरते पानी के बीच भूमि पूजन कार्यक्रम में वार्ड की महिलाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर विधायक का स्वागत किया। उन्होंने पुष्प वर्षा कर अतिथियों के प्रति आभार और खुशी व्यक्त की।

साईं मंदिर ग्राउंड में 8 लाख से पार्क निर्माण, 15 लाख से बालक पार्क एवं आंगनबाड़ी केंद्र, वार्ड 14 एवं 12 में 16 लाख से दो आंगनबाड़ी केंद्र का भूमिपूजन किया गया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता मनीष सिंह ठाकुर ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि न्यास कॉलोनी वर्षों से अपेक्षा का शिकार रही, किंतु अब लगातार हो रहे विकास कार्यों ने इसे एक आदर्श बस्ती की ओर अग्रसर कर दिया है। उन्होंने उल्लेख किया कि बड़े नाले पर लगभग 22 लाख की लागत से पक्के निर्माण कार्य की भी शुरुआत हुई है। इससे कॉलोनी में स्वच्छता और जल निकासी की बड़ी समस्या का समाधान होगा।

विधायक डॉ. सीता शरण शर्मा ने कहा, न्यास कॉलोनी को सर्वश्रेष्ठ कॉलोनी बनाने का जो सपना हमने देखा था, वह धीरे-धीरे साकार हो रहा है। सभी गार्डनों में बुजुर्गों के लिए बैठने की कुर्सियां एवं बच्चों के लिए खेल सामग्री व झूले लगाए जाएंगे। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा, यह कार्य केवल निर्माण नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयास है। हमारी प्राथमिकता खेल, शिक्षा, स्वच्छता और बच्चों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराना है। न्यास कॉलोनी की जनता की ओर से पार्षद अमृता ठाकुर ने विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा एवं अध्यक्ष पंकज चौरे का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में लगभग 80 प्रतिशत सड़कों व नालियों का निर्माण हो चुका है। संजीवनी क्लिनिक, सामुदायिक भवन, पार्क, आंगनबाड़ी, विद्यालय और ई-लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं यहां की नई पहचान होंगी। दो नए पार्कों का भूमि पूजन और बड़े नाले पर पक्के निर्माण कार्य की शुरुआत हमारी कॉलोनी के लिए ऐतिहासिक है। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी रितु मेहरा, सहायक इंजीनियर मीनाक्षी चौधरी, सब इंजीनियर सोनिका अग्रवाल, नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, महामंत्री शैलेंद्र दुबे, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष, पार्षद सभापति गीता पटेल, पार्षद जिम्मी कैथवास, अमित विश्वास, कुंदन गौर, पुनीत मालवीय, नगर मंडल उपाध्यक्ष संगीता मालवीय, पूनम सोनकर, जया मीणा, सुरेंद्र सिंह एवं श्रीकांत तिवारी सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

हरिशंकर परसाई के 101 वें जन्मदिन पर जमानी आएंगे व्यंग्यकार संपत सरल

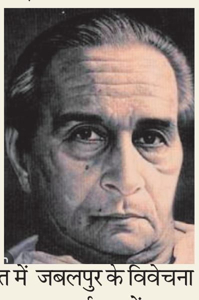

इटारसी। मशहूर व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई के 101वें जन्म दिवस 22 अगस्त को उनके गृहग्राम जमानी में मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। सभी कार्यक्रमों की जानकारी देने एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर मप्र कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय भी उपस्थित रहे। आयोजन समिति के अहम सदस्य पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा ने इस कार्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्री परसाई के जन्मदिन पर कार्यक्रम की शुरुआत में जबलपुर के विवेचना मंच द्वारा निठल्ले की डायरी नाटक का मंचन किया जाएगा। कार्यक्रम में मशहूर व्यंग्यकार संपत सरल भी शामिल होंगे। आयोजन समिति के संयोजक हेमंत दुबे ने बताया कि हरिशंकर परसाई के 101 वे जन्मदिवस पर 22 अगस्त 2025 को सुबह 10 बजे से श्रद्धांजलि के उपरांत विवेचना रंग मंडल जबलपुर के ख्यात नाम कलाकारों द्वारा परसाई की रचनाओं पर आधारित हास्य व्यंग्य नाटक निठल्ले की डायरी का मंचन सुप्रसिद्ध नाट्य निर्देशक नवीन चौबे के निर्देशन में मंचित किया जाएगा। इस वर्ष का परसाई की जन्मभूमि जमानी की ओर से दिया जाने वाला हरिशंकर परसाई सम्मान इसी नाटक के निर्देशक नवीन चौबे को दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दूसरे सत्र में इसी सभा में भारत के सुप्रसिद्ध हास्य व्यंग्यकार कवि संपत सरल अपनी व्यंग्य रचनाओं का पाठ करेंगे।

कबड्डी प्रतियोगिता में 14 टीमों ने लिया भाग

गंजबासौदा। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता काआयोजन किया गया। जिसमें विदिशा जिले के सातों ब्लॉक के 14 टीमों ने लभाग लिया। कार्यक्रम के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष शशि यादव एवं अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी ने की सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इसके बाद अतिथि देवो भव विद्यालय के प्राचार्य एमसी शर्मा ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। जनपद अध्यक्ष ने बच्चों को खेलों के प्रति जागृत रहने का और स्वयं को स्वस्थ रखने का संदेश दिया। नगरपालिका अध्यक्ष ने बच्चों के उत्साह को देखकर खेलों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के साथ ही स्वच्छता और सफाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। किसी भी खिलाड़ी को कोई परेशानी ना हो इसके लिए सभी स्टाफ को निर्देशित किया गया था। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में नटेरन विजेता और विदिशा उपविजेता रहा इसी प्रकार बालक बालिका वर्ग में बासौदा विजेता और ग्यारसपुर उपविजेता रहा कार्यक्रम के समापन पर विजेता और उपविजेता के लिए शील्ड प्रदान की गई।

स्वर्णप्राशन संस्कार अभियान का शुभारंभ

गंजबासौदा। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के परम् प्रभावक शिष्य एवं नवाचार्य समय सागर महाराज, मुनि संभव सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आगामी 21अगस्त को गुरु पुष्य नक्षत्र पर सकल जैन समाज आचार्य विद्यासागर आयुर्वेदिक औषधालय के तत्वधान में नगर के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में पहुंचकर छात्र एवं छात्राओं को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधि स्वर्णप्राशन उपलब्ध कराएगी। स्थानीय महावीर विहार में मुनि संघ के सानिध्य में विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष नीतू रघुवंशी एवं जैन समाज प्रतिनिधियों के द्वारा निःशुल्क स्वर्णप्राशन संस्कार अभियान का शुभारंभ किया गया। आचार्य विद्यासागर आयुर्वेदिक औषधालय एवं सकल जैन समाज गंजबासौदा के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 21 अगस्त गुरुवार को गुरु पुष्य नक्षत्र पर निशुल्क स्वर्णप्राशन संस्कार अभियान के तहत औषधि पिलाई जावेगी।

गर्भवती गायों के लिए मेटरनिटी वार्ड तैयार

हरदा। जिले में दयोदय गौशाला ने हैरान कर देने वाला कदम उठाया है। यहां गर्भवती गायों के लिए इंसानों जैसा मेटरनिटी वार्ड तैयार किया गया है। हरदा में शुरू हुआ यह प्रयोग पूरे देश में पहली बार हुआ है। जहां अब तक केवल इंसानी अस्पतालों में प्रसव सुविधाएं थी, वही अब गायों को भी यह हक मिला है। इस खास वार्ड में डॉक्टर और गौसेवक चौबीस घंटे मौजूद रहेंगे। प्रसव के दौरान किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इलाज मिल सकेगा और गायों की जान बच सकेगी। इस वार्ड का उद्घाटन कांग्रेस विधायक राम किशोर डोंगने ने किया। कई बार प्रसव के समय जटिलता बढ़ने से गायें दम तोड़ देती थी। यह पहल ऐसे मामलों पर रोक लगाएगी और गायों की मौत दर कम करने में मदद करेगी। गर्भवती गायों के साथ-साथ नवजात बछड़ों की देखभाल भी यहां प्राथमिकता होगी। शुरूआती दिनों में उन्हें बेहतर पोषण और चिकित्सीय निगरानी की जाएगी।

ज्योति दुबे को कलेक्टर ने किया सम्मानित

सिरोंज। नगर पालिका की सामुदायिक संगठक ज्योति दुबे को कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। ज्योति द्वारा शासकीय योजनाओं के संचालन के साथ ही समग्र केवायसी में जिले में पहला स्थान हासिल किया गया है। इसके पूर्व भी उनके कार्यो की जिला प्रशासन द्वारा सराहना की गई है। जिसके चलते योजना शाखा को मध्यप्रदेश में पहला और दूसरा स्थान भी प्राप्त हो चुका है।

वरिष्ठ समाजसेवी महेंद्र जैन समाज सेवा प्रशस्ति पत्र अवार्ड से सम्मानित

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा भारत एवं बुरहानपुर एकता समिति के संयुक्त तत्वाधान में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में लायन धर्मशाला में डिप्टी कलेक्टर पल्लवी पौराणिक एवं बुरहानपुर एसडीएम अजमेर सिंहगौड़ के मुख्य अतिथि में एक शाम देश के वीर जवानों के नाम कार्यक्रम संपन्न हुआ। राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा भारत के प्रदेश महासचिव प्रदेश प्रभारी मुख्य संगठन तफज्जुल हुसैन मुलायम वाला जिला इकाई अध्यक्ष बनवारी मेटकर बुरहानपुर एकता समिति के अध्यक्ष जाहिद सिद्दीकी उपाध्यक्ष इकबाल भाई उर्फ गुड्डू के द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम अजमेर सिंह गौड़ एवं डिप्टी कलेक्टर पल्लवी पौराणिक थे। उनके द्वारा बुरहानपुर जिले के वरिष्ठ समाजसेवी महेंद्र जैन को समाज सेवा प्रशस्ति पत्र अवार्ड से सम्मानित किया गया।

समस्याओं को लेकर गुस्साए छात्रों ने घेरा कलेक्ट्रेट

पैदल मार्च के बाद पुलिस ने सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

विदिशा। दोपहर मेट्रो

एनएसयूआई ने विभिन्न समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट का घेराव किया। इस मौके पर कांग्रेस के पूर्व सांसद प्रतापभानु शर्मा भी मौजूद रहे । शर्मा ने अपने भाषण में विदिशा की जनता का दुःख बताया और कहा कि जनता परेशान है। शहर के चारों ओर गड्ढे ही गड्ढे नजर आ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि शिवराज सिंह चौहान ने 18 सालों में सिर्फ खुद का विकास किया है। तो वहीं कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने किसानों की समस्याओं को लेकर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया । रघुवंशी ने कहा कि कृषि मंत्री कहते हैं कि पेस्टिसाइड बनाने वाली कंपनी के खिलाफ कार्यवाही होगी तो पहले ही क्यों सही तरीके से सरकार दवाइयों को चेक करके किसानों को बेचने का लाइसेंस दें। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि कॉलेजों में जो छात्र चुनाव होते थे । उनको फिर से शुरू किए जाए। ताकि कॉलेजों में जो अन्य छात्रों के साथ हो रहा हैं, इसके खिलाफ आवाज बुलंद की जा सके । माधवगंज से कोतवाली तक पैदल मार्च के बाद पुलिस ने सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया ।

ताईक्वाडों खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन

सागर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय ताईक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया। ग्रेडमेन स्कूल मकरोनिया में हुए इस आयोजन में खेल परिसर सागर के ताईक्वांडो खिलाड़ी, बालिका वर्ग में मायशा खान, रितिशा रजक, यशवी, जूही ठाकुर, आरची राजपूत,अवनी रजक, सरीता, शिवानी ,नंदनी पटेल,राधिका ठाकुर, पलक पटेल इसी प्रकार बालक वर्ग में मोक्ष लोधी, शिवांश दुबे, प्रथमेश संतसंगी,गोविंद पटेल, यशवर्धन सिंह राजावत,स्वास्तिक, ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य स्तरीय ताईक्वांडो प्रतियोगिता हेतु चयनित हुऐ। ये सभी खिलाड़ी राज्य स्तरीय ताईक्वांडो खेल प्रतियोगिता 8से 12 सितम्बर 2025 में अपनी सहभागिता देंगे।

सरकारी स्कूल में हुआ था हंगामा, कार्यकर्ता पर केस दर्ज किए जाने के विरोध में भीम आर्मी ने किया विरोध-प्रदर्शन

कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

ग्राम पठेरा बुरहान में सरकारी स्कूल में हंगामा मामले में भीम आर्मी के कार्यकर्ता पर प्रकरण दर्ज होने से नाराज भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने प्रभावी प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के लिए भीम आर्मी प्रदेश उपाध्यक्ष गब्बर सिंह द्वारा एक दिन पहले से ही सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया था। उन्होंने भीम आर्मी एकता मिशन के कार्यकर्ताओं को पुराना बस स्टैंड पर बाबा अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष जुटने का आव्हान किया था। इस आव्हान के चलते सोमवार सुबह से ही भीम आर्मी के कार्यकर्ता पुराना बस स्टैंड पर जुटने लगे थे। दोपहर में करीब 12 बजे संगठन के कार्यकर्ताओं ने यहीं से प्रदर्शन जुलूस की शुरूआत की। जिसमें भीम आर्मी के कार्यकर्ता जोरदार नारेबाजी करते हुए चल रहे थे।

नारेबाजी करते हुए सभी कार्यकर्ता तहसील रोड पर स्थित एसडीओपी कार्यालय पर पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यालय के बाहर ही पुलिस कार्यवाही के विरोध में धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिससे सुनकर एसडीओपी सोनू डाबर कार्यालय से बाहर आईं और कार्यकर्ताओं को शांत कर उनकी बात को सुना। भीम आर्मी एकता मिशन ने एसडीओपी को एक ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें उन्होंने बताया कि पठेरा बुरहान की शिक्षिका देवकुमारी बैरागी द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का लगातार अपमान किया जा रहा है। इसका विरोध करने पर उन्होंने भीम आर्मी कार्यकर्ता सुरेन्द्र अहिरवार पर झूठा प्रकरण दर्ज करवा दिया। ज्ञापन में बताया गया कि 26 जनवरी 2025 को भी शिक्षिका ने स्कूल के मंच पर बाबा अंबेडकर का चित्र नहीं रखा था तो सुरेन्द्र ने उनसे सवाल किया था। इसके बाद 15 अगस्त को भी जब मंच पर चित्र नहीं दिखाई दिया तो सुरेन्द्र ने माइक से ही सवाल कर दिया। इससे गुस्साई शिक्षिका ने उसकी झूठी शिकायत कर दी और पुलिस ने बिना जांच किए सुरेन्द्र पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। मांग पूरी नहीं होने पर 8 सितंबर को फिर एसडीओपी कार्यालय का घेराव करेंगे।

मेट्रो एंकर

आठवीं बटालियन में किया गया आयोजन, अधिकारी-कर्मचारी भी कार्यक्रम में हुए शामिल

बाल कलाकारों ने श्रीकृष्ण की लीलाओं का किया सजीव मंचन

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

8वीं वाहिनी विसबल छिंदवाड़ा में जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर श्रीकृष्ण भगवान के जीवन पर आधारित कथा का रंगमंचन बटालियन में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारियों ने आशीष सक्सेना असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी के मार्गदर्शन में सामुहिक रूप से किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सेनानी निवेदिता गुप्ता ने रात्रि 10 बजे श्रीकृष्ण भगवान के पूजन से किया, प्रारंभ से लेकर अंत तक की कथा का मंचन प्रमुख रूप से कंस ने बलपूर्वक अपने पिता को राजगद्दी से निस्कासित करना, प्रजा विद्रोह से बचने हेतु वासुदेव का देवकी से विवाह करवाना, आकाशवाणी होने पर वासुदेव एवं देवकी को कारावास,

कारावास में श्रीकृष्ण का जन्म, गोकुल में श्रीकृष्ण का लालन-पालन, पूतना वध, अखासूर का वध, कंस के पहलवानों का वध, कंस वध, परशुराम भगवान से सुदर्शन प्राप्त, महर्षि संदीपनी आश्रम में दीक्षा प्राप्त आदि का सजीव चित्रण का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर वाहिनी के उपसेनानी जगनाथ मरकाम, उपसेनानी अरूण कश्यप, सहायक सेनानी विनेश कुमार बघेल, क्वार्टर मास्टर निरीक्षक जितेन्द्र कुमार राठौर, सीडीआई राजेन्द्र सिंह चौहान, निरीक्षक अनिल राय, निरीक्षक श्रीराम उईके, निरीक्षक सहेशचंद्र उईके, वरिष्ठ स्टेनो सीमा चौखे, सूबेदार मेजर महेश रघुवंशी, उप निरीक्षक शकील अहमद, मुख्यलिपिक गुंजन मालवीय, प्रभारी एमटीओ दिनेश परिहार, बटालियन मेजर मंगलसिंह विष्ट समस्त पीटीएस स्टाफ प्रशिक्षित नवआरक्षक एवं पुलिस परिवार के समस्त अधिकारी व कर्मचारी परिवार सहित उपस्थित रहें।

पेंच नेशनल पार्क में आपसी संघर्ष के कारण 12 वर्षीय बाघ की मौत

सिवनी। दोपहर मेट्रो

प्रसिद्ध पेंच नेशनल पार्क के परिक्षेत्र खवासा (बफर) की बीट विजयपानी में एक बाघ का शव बरामद हुआ। उसके शरीर पर घाव के कई निशान थे। इससे माना गया कि उसकी मौत आपसी संघर्ष के कारण हुई है।

पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी के उपसंचालक रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी अंतर्गत सोमवार प्रातः 10 बजे ग्रामीण चरवाहे द्वाराखवासा (बफर) की बीट विजयपानी, वन कक्ष क्रमांक पी0एफ0-368 में बाघ के शव देखे जाने की सूचना बीटगार्ड विजयपानी को दी गई। बीटगार्ड द्वारा मौके स्थल पर पहुंचकर शव की पुष्टि की गई। शव लगभग दो दिन पुराना प्रतीत हो रहा था। सूचना प्राप्त होने पर टाइगर रिजर्व के अन्य अधिकारी एवं डॉग स्क्वॉयड मौके पर पहुंचे एवं घटना स्थल के चारों तरफ रस्सी का सुरक्षा घेरा डालकर क्षेत्र को सुरक्षित किया गया।

उन्होंने बताया कि मृत बाघ के शव का निरीक्षण किया गया। बाघ के चारों पंजे में नाखून एवं मुंह में दांत यथावत थे। बाघ के शरीर में एवं गर्दन पर अन्य बाघ के द्वारा दबोचे जाने और घायल किए जाने के कई घाव के निशान थे। शव के निरीक्षण में बाघ का नर होना पाया गया। उन्होंने बताया कि डॉग स्क्वॉयड की सहायता से घटना स्थल के आस-पास छानबीन की कार्यवाही की गई। किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या मानवीय हस्तक्षेप के साक्ष्य नहीं पाये गये। बाघ के सभी अवयव जैसे दांत, नाखून एवं मूंछ के बाल सहित सुरक्षित पाये गये। जिससे प्रथम दृष्टया उक्त बाघ की मृत्यु आपसी संघर्ष के कारण होना प्रतीत होता है। इस बाघ का पेंच टाइगर रिजर्व के डेटाबेस से मिलान किया गया। यह कैमरा ट्रैप में पहली बार 2017 में कैप्चर हुआ था और लगभग 11 - 12 वर्ष का था।

शव को जलाकर किया अंतिम संस्कार

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की एसओपी में दर्शायी गई विधि अनुसार क्षेत्र संचालक, पेंच टाइगर रिजर्व देवाप्रसाद जे. की उपस्थिति में डॉ. अखिलेश मिश्रा, प्रवर श्रेणी वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी तथा अमित रैकवार ब्लॉक वेटनरी ऑफिसर कुरई द्वारा मृत नर बाघ का पोस्टमार्टम किया गया तथा नमूनों को एकत्रित कर जांच हेतु फॉरेन्सिक प्रयोगशाला भेजने हेतु सुरक्षित करने की कार्यवाही की गई। शव परीक्षण उपरांत प्रशांत उइके, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुरई, राजेश भेंडरकर एनटीसीए प्रतिनिधि, पृथवीलाल सलामें, सरपंच ग्राम पंचायत जीरेवाडा भस्मीकरण समिति के समक्ष में मृत वयस्क नर बाघ के शव को जलाकर अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मंत्री परमार के पैरों में गिरकर बुजुर्ग दंपती ने लगाई मदद की गुहार, बोले-

सरकारी रिकॉर्ड में बताया मृत, दाने-दाने को हैं मोहताज, जमीन पर भी दबंगों ने किया कब्जा

पन्ना। दोपहर मेट्रो

जिले से दिल को चीर देने वाली तस्वीर सामने आई है। यहां एक बुजुर्ग दंपति मंत्री इंदर सिंह परमार के पौरों पर गिर पड़ा। उन्होंने मंत्री से अपनी समस्या बताई और रो-रोकर न्याय की गुहार लगाई। इस पर मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया और आगे निकल गए। दरअसल, उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा आयुष विभाग मंत्री और पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार 17 अगस्त को उद्यानिकी विभाग के कार्यक्रम में शामिल होने जनवार गांव पहुंचे थे। यहां एक बुजुर्ग दंपति न्याय की गुहार लगाते हुए प्रभारी मंत्री के कदमों में गिर गया।

बुजुर्ग दंपति ने गिड़गिडाते हुए बताया कि दोनों पति-पत्नी को मृत घोषित कर राशन कार्ड, वोटर कार्ड सभी जगह से नाम कटवा दिया गया है। इससे वे खाद्यान्न और वृद्धा पेंशन सहित शासन की सभी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं।

जांच और कार्रवाई का दिया आश्वासन

बुजुर्ग दंपति ने बताया कि उनकी 5 एकड़ जमीन भी हड़प ली गई है, जिससे पति पत्नी दाने-दाने को मोहताज हैं। दंपति ने बताया कि ऊंची पहुंच रखने वाले कुछ दबंग लोगों ने उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। इस पर प्रभारी मंत्री पटवारी को भेज कर जांच और कार्रवाई करवाने का आश्वासन देकर आगे बढ़ गए। मृत घोषित किए गए बुजुर्ग दंपति का नाम भूरा आदिवासी उम्र लगभग 80 साल और केशकली आदिवासी उम्र लगभग 75 साल बताया गया है।

बुजुर्ग महिला की तालाब में और बालक की कुएं में डूबने से मौत

राजगढ़। नरसिंहगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम मूंडली में 70 वर्षीय महिला की गांव के तालाब में डूबने से मौत हो गई। वहीं जीरापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मैनाखेड़ी में रहने वाले 16 वर्षीय बालक की कुएं में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरु की। नरसिंहगढ़ थाना पुलिस के अनुसार बीती रात ग्राम मूंडली निवासी 70 वर्षीय कोमलबाई पत्नी गंगाराम यादव की गांव के तालाब में डूबने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से महिला के शव को तालाब से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। महिला गांव के तालाब तक कैसे पहुंची और पानी में कैसे गिरी, इसका वास्तविक पता नही लग सका। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरु की। इधर दूसरी तरफ जीरापुर थाना पुलिस के अनुसार बीती शाम ग्राम मैनाखेड़ी निवासी 16 वर्षीय जितेन्द्र पुत्र गिरवरसिंह सौंधिया की गांव के कुएं में डूबने से मौत हो गई।

ऑटो में नकदी और आभूषणों से भरा बैग छूटा, सुरक्षित मिला

सागर । दोपहर मेट्रो

बेटी के इलाज के लिए 90 हजार रुपए बैग में लेकर अस्पताल जा रही एक महिला का बैग ऑटो रिक्शा में छूट गया, बैग में कुछ आभूषण भी रखे थे। 16 अगस्त की घटना में दो दिन की मशक्कत बाद बैग मिल गया। कुशवाहा ने बताया कि कुंती बाई लोधी निवासी शाहगढ़ अपने पति के साथ थाना पहुंची और बताया बताया कि राहतगढ़ बस स्टैंड से नाव मंदिर गोपालगंज आते समय उनका काले रंग का बैग ऑटो रिक्शा में छूट गया है। बैग में लगभग 90 हजार रुपए नकद, सोने के दो कान के फूल, तीन पायल, एक मोबाइल व चाबियों का गुच्छा रखा हुआ था। थाना प्रभारी ने

बेटी के इलाज के लिए सागर आई थी महिला

गंभीरता दिखाते हुए महिला को कंट्रोल रूम भेजा और घटना की जानकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिंहा को दी। एएसपी ने बैग का सुराग सीसीटीवी कैमरों की मदद से निकाले जाने को कहा। उप निरीक्षक कंट्रोल रूम आरकेएस चौहान ने अपनी टीम के साथ तुरंत सीसीटीवी फुटेज खंगाली, जिसमें साफ हुआ कि बैग ई-रिक्शा में छूट गया है और वाहन की पहचान हो गई। आरक्षकों भेज कर मोती नगर चौराहा एवं राहतगढ़ बस स्टैंड पर रिक्शे की तलाश की और मुखबिर सक्रिय किए। तलाशी अभियान चलाया गया और आज दोपहर लगभग 12 बजे ऑटो चालक राजू पटेल का पता चला। जब पुलिस राजू पटेल के घर पहुँची, तभी उसने अपने ऑटो में रखा बैग देखा। उसे बैग के बारे में पहले कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस की समझाइश पर उसने तुरंत बैग पुलिस को सौंप दिया। राजू पटेल मय ऑटो व बंद बैग के थाना गोपालगंज आए और कुंती बाई लोधी को थाना प्रभारी की मौजूदगी में बैग सुपुर्द किया गया। महिला ने जांच कर पुष्टि की कि सारा नगद एवं आभूषण सुरक्षित हैं।

27 हजार की एमडी ड्रग जब्त, शिवपुरी का युवक गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

मादक पदार्थ एमडी ड्रग की तस्करी के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। मोतीनगर थाना पुलिस ने एमडी ड्रग की तस्करी की फिराक में खड़े एक आरोपी दबोच लिया। आरोपी से 10.28 ग्राम ड्रग जब्त की है जिसकी कीमत 27 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार शाहवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी मोतीनगर निरीक्षक जसवंत राजपूत ने विशेष अभियान चलाया है। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक ग्राम अमावनी कचड़ा प्लांट के पास अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के लिए खड़ा है। पुलिस की टीम ने एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ पर आरोपी ने अपना नाम परमलाल पिता पहलवान सिंह गौर उम्र 29 वर्ष, निवासी जवाहर कॉलोनी, शिवपुरी बताया। आरोपी के पास से

एम.डी. ड्रग 10.28 ग्राम (कीमत लगभग 27,000/- रुपये) बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना मोतीनगर में अपराध क्रमांक पंजीबद्ध कर धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ट्रेन के जरिए मादक पदार्थ लाकर सागर में अवैध रूप से विक्रय करने की फिराक में था। इस मामले में एसपी विकास कुमार शाहवाल ने कहा कि सागर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष मुहिम लगातार संचालित की जा रही है। शाहवाल ने स्पष्ट किया है कि ड्रग्स समाज के लिए जहर हैं और सागर पुलिस नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है।

उमरिया से लापता हुईं पांच छात्राएं मैहर में मिली

उमरिया। जिले के पाली थाना क्षेत्र के नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास से अचानक गायब हुई पाँच छात्राएँ मैहर जिले से सकुशल बरामद कर ली गईं हैं। बता दें कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास से रविवार सुबह पांच छात्राएं अचानक गायब हो गई थीं। परिजनों की शिकायत पर थाना पाली पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू स्वयं छात्रावास पहुँचीं और अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। इस संबंध में एसपी निवेदिता नायडू ने बताया कि हमारी पहली प्राथमिकता बच्चियों को सुरक्षित घर वापस लाना थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीमों को सक्रिय किया गया, सहेलियों से पूछताछ की गई, कस्बे में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया और सीमावर्ती जिलों के साथ-साथ रेलवे पुलिस को भी अलर्ट किया गया। सभी के प्रयासों से 12 घंटे के भीतर सभी बालिकाएँ जिला मैहर से सकुशल बरामद कर ली गईं हैं। उनकी काउंसलिंग की जा रही है और उसके बाद उनके परिजनों को सौंप दिया जायेगा।

काउंसलिंग के बाद परिजनों को सौंपेंगे

प्रशिक्षण पूराः अनुबंध के अनुसार नर्सिंग ऑफिसर पद पर किया जाना था नियुक्त

नियुक्ति नहीं होने से नर्सिंग छात्राओं ने कॉलेज के गेट पर धरना दिया, पीएम को खून से लिखा पत्र

सागर। दोपहर मेट्रो

अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर बीएमसी (बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज) की छात्राओं ने सोमवार को सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया। उन्होंने सिरोंज से निकाले गए अपने खून से प्रशासन और पीएम मोदी को संबोधित पत्र भी लिखा। पत्र लिखा कि बेटियों को इंसाफ दो। हमारी नियुक्ति की जाए।

छात्राओं का आरोप है कि प्रशिक्षण पूरा होने के बावजूद उन्हें नियुक्ति अब तक नहीं मिली। बीएमसी के गेट के सामने करीब 30 छात्राएं धरने पर बैठी थीं। छात्राओं ने बताया कि 2018-19 में बीएमसी से नर्सिंग कोर्स जॉइन किया था और 2022-23 में चार वर्षीय प्रशिक्षण पूरा कर लिया। अनुबंध के अनुसार उन्हें नर्सिंग ऑफिसर पद पर नियुक्त किया जाना था। उन्होंने बताया कि हमने अपनी मांग को लेकर उप मुख्यमंत्री, क्षेत्रीय विधायक, कलेक्टर, डीन और भोपाल के अधिकारियों तक ज्ञापन दिए जा चुके हैं लेकिन नियुक्ति अब तक नहीं मिली।

एक छात्रा सुहानी का कहना था कि नियुक्ति न मिलने से हमारी आर्थिक खराब हो गई है। कई छात्राओं के पेरेंट्स ने कर्ज लेकर फीस भरी और वे कर्ज के तले दब गए। छात्राओं ने कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं होती हमारा आंदोलन जारी रहेगा। इस मामले में अखिल भारतीय छात्र परिषद के कार्यकर्ताओं ने नर्सिंग छात्राओं का समर्थन कर डीन ऑफिस के सामने हंगामा किया। देर शाम डीन डॉ पीएस ठाकुर ने छात्राओं को कार्यालय बुलाकर बीएमसी में नर्सिंग स्टाफ की नियुक्ति का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन होने का हवाला दिया साथ ही उन्होंने प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेज में नियुक्त कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद छात्राओं प्रदर्शन खत्म किया।

मेट्रो एंकर सिलवानी ब्लॉक स्थित प्राथमिक शाला आमापानी का मामला, कलेक्टर को भी नहीं जानते शिक्षक

सैलरी 65000...पर खुद का नाम नहीं लिख पाए मास्टर साहब!

रायसेन। दोपहर मेट्रो

जिले में शिक्षा व्यवस्था की बदहाली देखने को मिली। पड़ताल में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। सिलवानी ब्लॉक स्थित प्राथमिक शाला आमापानी में शाला प्रभारी खुद अपना नाम नहीं लिख पाए। उनको जिले के कलेक्टर का नाम तक नहीं पता था. यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई, जो शिक्षा विभाग की लापरवाही को उजागर करती है।

पड़ताल के दौरान पता चला कि 65 हजार रुपये मासिक वेतन पाने वाले इस शिक्षक की योग्यता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। शाला प्रभारी, जो छात्रों को पढ़ाने की जिम्मेदारी संभालते हैं, खुद बुनियादी लेखन में असमर्थ दिखे। पत्रकारों ने जब उनसे बोर्ड पर नाम लिखने को कहा, तो वे असहज हो गए और अपने नाम की सही स्पेलिंग नहीं लिख सके। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

बार-बार जूनियर को देखते थे

वीडियो में साफ दिख रहा है कि कैसे शिक्षक हर सवाल के जवाब के लिए अपने जूनियर की ओर देखते थे। जब उनसे कलेक्टर का नाम पूछा तो उन्होंने जूनियर की ओर देखा। जूनियर के बताने पर, उन्होंने भी हां में हां मिला दी। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी का नाम भी नहीं बता पाए।

शिक्षा व्यवस्था में लग रहा पलीता

दूसरी ओर, मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। 'शिक्षा उत्थान अभियान' जैसे कार्यक्रमों के तहत करोड़ों खर्च किए जा रहे हैं, नई भर्तियां और प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। लेकिन, शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों द्वारा सरकार की मंशा को पलीता लगाया जा रहा है। लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। यह खुलासा न केवल रायसेन जिले बल्कि पूरे राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाता है।

कार सवार तीन युवकों से अवैध मादक पदार्थ जब्त

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

कुरावर थाना पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर तलेन रोड स्थित पुलिया के समीप से घेराबंदी कर औरा कार सवार तीन युवकों को पकड़ा और उनके कब्जे से 40 हजार रुपए कीमती चार ग्राम स्मैक जब्त की। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर पूछताछ शुरु की।

40 हजार रुपए की चार ग्राम स्मैक जब्त, पूछताछ जारी

थाना प्रभारी संगीता शर्मा ने मंगलवार को बताया कि मुखबिर की सूचना पर बीते रोज तलेन रोड़ स्थित पुलिया के समीप से घेराबंदी कर औरा कार क्रमांक एमपी 04 वाईवी 4043 को पकड़ा और मौके से रवि (21)पुत्र बलवीरसिंह, गौरव (20) पुत्र बृजमोहन जानोरिया, आयुष (20)पुत्र बलरामसिंह जाट निवासी भोपाल को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 8 लाख रुपए कीमती औरा कार और 40 हजार रुपए कीमती की चार ग्राम स्मैक जब्त की है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर पूछताछ शुरु की। बताया गया है कि आरोपितों के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध है। पुलिस के द्वारा मामले में आरोपितों से अवैध मादक पदार्थ की उपलब्धता के बारे में पूछताछ की जा रही है।

सिनसिनाटी ओपन

मेक्टिक-राजीव ने जीता मेंस डबल्स का खिताब

डाब्रोव्स्की-राउटलिफ ने विमेंस डबल्स में मारी बाजी

नई दिल्ली । सिनसिनाटी ओपन के मेंस डबल्स में निकोला मेक्टिक-राजीव राम ने लोरेंजो मुसेट्टी-लोरेंजो सोनेगो को शिकस्त देकर बतौर जोड़ी अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया है। साल के अपने तीसरे ही इवेंट में एक साथ अपना पहला टूर-स्तरीय फाइनल खेलते हुए मेकटिक-राम की जोड़ी ने 90 मिनट तक चले मुकाबले में इतालवी जोड़ी को 4-6, 6-3, 10-5 से शिकस्त देकर बतौर टीम अपनी पहली ट्रॉफी जीती। 41 साल 4 महीने की उम्र में राजीव राम सिनसिनाटी में ओपन एरा के दूसरे सबसे उम्रदराज मेंस डबल्स चैंपियन बन गए हैं। इस मामले में उनसे आगे 42 वर्षीय डेनियल नेस्टर हैं, जिन्होंने 2015 में एडवर्ड रोजर-वेसलिन के साथ यह खिताब जीता था। फाइनल में पहुंचकर मेक्टिक उन चुनिंदा सक्रिय डबल्स खिलाड़ियों में शामिल हो गए, जिन्होंने सभी नौ एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स फाइनल खेले। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ रोहन बोपन्ना और माटे पाविक के नाम थी। वहीं दूसरी ओर, विमेंस डबल्स फाइनल में गैब्रिएला डाब्रोव्स्की-एरिन राउटलिफ ने गुओ हान्यू-एलेक्जेंड्रा पानोवा को 6-4, 6-3 से शिकस्त देकर बतौर जोड़ी अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीत लिया। सिनसिनाटी की यह जीत इस सीजन उनका दूसरा और बतौर जोड़ी कुल छठा खिताब है। इस जीत के बाद डब्ल्यूटीए डबल्स रैंकिंग में राउटलिफ सातवें नंबर पर बनी रहेंगी। वहीं, डाब्रोव्स्की पांच स्थान की छलांग लगाकर नंबर 8 पर पहुंच जाएंगी।

पहली बार बनी थी जोड़ी

डाब्रोव्स्की-राउटलिफ ने दो साल पहले मॉन्ट्रियल में पहली बार जोड़ी बनाई थी, जिसके बाद दोनों ने मिलकर पांच खिताब जीते। इनमें यूएस ओपन और डब्ल्यूटीए फाइनल शामिल हैं। इस दौरान जोड़ी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी हासिल की। यह सिनसिनाटी में राउटलिफ का लगातार दूसरा खिताब है। पिछले साल उन्होंने एशिया मुहम्मद के साथ टाइटल जीता था। उनके दोनों डब्ल्यूटीए 1000 खिताब इसी इवेंट में आए। दूसरी ओर, गैब्रिएला डाब्रोव्स्की ने करियर का पांचवां डब्ल्यूटीए 1000 डबल्स खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले उन्होंने साल 2022 में मैड्रिड ओपन जीता था।

एशिया कप के लिए क्या होगा भारत का स्क्वॉड

अक्षर-शुभमन किसे मिलेगी उपकप्तानी, ओपनर्स कौन, बैकअप विकेटकीपर में कितने ऑप्शन?

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप टी-20 क्रिकेट टूनार्मेंट इस साल 9 सितंबर से खेला जाएगा। 17 सदस्यीय टीम अनाउंस करने की आखिरी तारीख 19 अगस्त है। पाकिस्तान ने अपनी टीम की घोषणा भी कर दी है। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि भारतीय टीम में किन 17 प्लेयर्स को मौका मिलेगा?

भारत की संभावित टीम...

1. बल्लेबाजों में क्या शुभमन, यशस्वी रहेंगे?
सूर्यकुमार यादव टी-20 टीम के कप्तान हैं, ऐसे में उनकी जगह तो तय है। अब टीम को बल्लेबाजों की पोजिशन के लिए 4 से 6 और खिलाड़ियों को चुनना है। इन पोजिशन के लिए अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड, रिंकू सिंह, रियान पराग और श्रेयस अय्यर दावेदार हैं।

शुभमन, यशस्वी और श्रेयस को इंग्लैंड के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज में चुना नहीं गया था, लेकिन तीनों ही प्लेयर्स ने आईपीएल में अपना दमदार फॉर्म दिखा दिया। हालांकि, इनमें से 1 या 2 को ही टीम में जगह मिलते नजर आ रही है। अभिषेक और तिलक टी-20 बैटर्स रैंकिंग के टॉप-2 स्थान पर हैं और उनकी जगह भी तय है। टीम पराग या रिंकू में से भी किसी एक को ही मौका देगी। यानी सूर्या को मिलाकर 4 और बल्लेबाजों को स्क्वॉड में जगह मिल सकती है।

2. विकेटकीपर में सैमसन के साथ ईशान-राहुल भी
मौजूद विकेटकीपर पोजिशन के लिए संजू सैमसन पहली चॉइस हैं, वे पिछले 1 साल में भारत के लिए 3 टी-20 शतक लगा चुके हैं। उनके ऑप्शन के रूप में ऋषभ पंत बेस्ट रहते, लेकिन वे इंजरी के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल सकेंगे। ऐसे में ध्रुव जुरेल, जितेश शर्मा और प्रभसिमरन के रूप में ऑप्शन बचते हैं। जुरेल को पिछली सीरीज में मौका मिला था, वहीं जितेश और प्रभसिमरन बेहतरीन फॉर्म में हैं। हालांकि, पिछली टीम को देखते हुए जुरेल को ही मौका मिलने की ज्यादा संभावनाएं हैं। इनके अलावा ईशान किशन और केएल राहुल भी रेस में हैं, लेकिन दोनों ही विकेटकीपर टॉप ऑर्डर पोजिशन में खेलते हैं। इनमें से किसी को तब ही मौका मिलेगा, जब सैमसन या कोई ओपनर इंजर्ड होगा।

3. ऑलराउंडर्स में हार्दिक, अक्षर की जगह पक्की
हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में भारत के पास 5 ऑलराउंडर हैं। हेड कोच गौतम गंभीर सभी फॉर्मेट की टीम में ऑलराउंडर्स को ज्यादा तवज्जो देते हैं, ऐसे में पांचों खिलाड़ियों को एशिया कप की टीम में मौका मिल सकता है। इनमें से किसी एक को बाहर करने की जरूरत पड़ी तो सुंदर या रेड्डी में से किसी को बाहर किया जा सकता है।

4. शुभमन या अक्षर कौन रहेगा उप कप्तान?
पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे पर गई। यहां ऋतुराज गायकवाड और शुभमन गिल ने टीम की कप्तानी की, ज्यादातर मुकाबले में शुभमन ही लीडर रहे। अगली सीरीज श्रीलंका से हुई, यहां गिल को उप कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई। शुभमन को टीम में भी मौका मिलेगा या नहीं? ये भी बड़ा सवाल है, क्योंकि टूनार्मेंट का फाइनल 28 सितंबर को है, इसके 3 दिन बाद ही टीम इंडिया को वेस्टइंडीज से टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसमें शुभमन ही कप्तानी करेंगे। इसी सीरीज को देखते हुए यशस्वी, सुंदर, राहुल और जुरेल को भी बाहर रखा जा सकता है।

डूरंड कप

डायमंड हार्बर ने जमशेदपुर को हराकर सेफा में जगह बनाई, रुआतकिमा का डबल स्ट्राइक

जमशेदपुर। जमशेदपुर के जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए शानदार क्वार्टर-फाइनल में डायमंड हार्बर एफसी ने 134वें डूरंड कप का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम जमशेदपुर एफसी को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में धमाकेदार प्रवेश किया। पदार्पण कर रही बंगाल की टीम के लिए रुआतकिमा ने पहले हाफ में दो गोल दागे, जबकि रक्षापंक्ति ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और घरेलू टीम व समर्थकों को स्तब्ध कर दिया। जमशेदपुर ने दूसरे हाफ में पूरी ताकत झोंक दी और लगातार दबाव बनाया, लेकिन डायमंड हार्बर की संयमित और अनुशासित खेल शैली तथा तेज काउंटर अटैक ने उन्हें ऐतिहासिक जीत दिला दी।

कुछ इस तरह रही टीम रचना

इंटरिम कोच स्टीवन डायस के नेतृत्व में जमशेदपुर एफसी ने 4-3-3 फार्मेशन में तीन बदलाव किए। वहीं डायमंड हार्बर एफसी के कोच जोस एंटोनियो विकुना ओचांदोरेना ने पांच नए खिलाड़ियों को उतारा और लुका मैजसेन, हालीचरण नर्जरी और जॉबी जस्टिन की आक्रामक तिकड़ी पर भरोसा जताया। मैच की शुरूआत में ही तीसरे मिनट में डायमंड हार्बर ने बढ़त बना ली। एक लंबे थ्रो पर जमशेदपुर की डिफेंस असमंजस में दिखी और रुआतकिमा ने गेंद को नेट में पहुंचा दिया। इसके बाद टीम ने खेल पर पकड़ बना ली और जमशेदपुर के मिडफील्ड को जकड़ लिया। 40वें मिनट में रुआतकिमा ने एक और शानदार गोल दाग दिया। सैमुअल की क्रॉस जमशेदपुर के डिफेंडर से डिफ्लेक्ट होकर उनके पैरों में आई और उन्होंने वॉली शॉट से स्कोर 2-0 कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका

टी20 के बाद अब वनडे सीरीज पर मेजबान की निगाहें, केर्न्स में पहला मैच

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच मंगलवार से वनडे सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। पहला मैच केर्न्स में आयोजित होगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर चुकी है। ऐसे में मेजबान देश के हौसले बुलंद हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज क्वेना मफाका और युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को वनडे सीरीज में भी मौका दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को बल्लेबाजी में जोश इंग्लिस और ट्रेविस हेड से खासा उम्मीदें हैं। वहीं, गेंदबाजी में एडम जांपा और बेन ड्वारशुइस विपक्षी टीम को परेशान कर सकते हैं। दूसरी ओर टेंबा बावुमा, डेवाल्ड ब्रेविस और मैथ्यू ब्रीत्जके साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजी को मजबूती देते नजर आ सकते हैं, जबकि कगिसो रबाडा, क्वेना मफाका और वियान मुल्डर गेंदबाजी को मजबूती दे सकते हैं। यह मुकाबला कैजली स्टेडियम में खेला जाना है, जहां टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना ज्यादा पसंद करती है। यहां पहली इनिंग का औसत 189 रन है। इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 267/5 का स्कोर बना चुकी है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

सोहा अली खान लेकर आ रही हैं अपना पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर, उठाएंगी महिलाओं के मुद्दे

अभिनेत्री सोहा अली खान बहुत जल्द ही एक नए रोल में दिखाई देने वाली हैं। वो अपनी पॉडकास्ट सीरीज %ऑल अबाउट हर% लेकर आ रही हैं। इस शो की वो मेजबानी खुद करेंगी। उनका ये पॉडकास्ट यूट्यूब पर 22 अगस्त से प्रीमियर होगा। जैसा कि नाम से पता चलता है, ये महिला केंद्रित शो होगा जिसमें महिलाओं के मुद्दों को उठाया जाएगा। मेहमानों की लिस्ट में वो महिलाएं होंगी जिन्होंने अपने क्षेत्र में खास मुकाम बनाया है। मनोरंजन जगत से लेकर चिकित्सा जगत की नामी गिरामी शख्सियत इसका हिस्सा बनेंगी।

ऑल अबाउट हर में मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, सनी लियोन और नामचीन अदाकाराओं को शामिल किया जाएगा। डॉ.

किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञों को भी इसमें देखा जा सकेगा, जो अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय देती दिखेंगी। इसमें कामकाजी महिलाओं की परेशानियां, दफ्तर और घर के बीच संतुलन बनाने की कोशिश, निवेश करने के बुनियादी तरीके, और मेंटल हेल्थ को मैनेज करने के तरीकों पर बात होगी। दावा है कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बातचीत होगी।

अपने इस पॉडकास्ट के बारे में सोहा अली खान ने कहा,÷पिछले कुछ सालों में, मुझे एहसास हुआ है कि एक महिला के तौर पर हम कई बदलावों से गुजरती हैं, चाहे वह शारीरिक हो या फिर मानसिक, मातृत्व, काम और जिंदगी में संतुलन, या बस खुद से प्यार करना सीखना हो, अक्सर उन्हें

पुष्पा इंपॉसिबल के 1000 एपिसोड पूरे

एक्ट्रेस गरिमा परिहार बोलीं, लोगों की कहानियां कहता है ये शो

सब टीवी के फेमस धारावाहिक %पुष्पा इंपॉसिबल% ने अपने 1,000 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। इस उपलब्धि का पूरी टीम ने जश्न मनाया। वहीं शो की एक्ट्रेस गरिमा परिहार ने इस मौके पर बातचीत की। टीवी सीरियल के 1,000 एपिसोड पूरे होने पर एक्ट्रेस गरिमा ने कहा, ÷ये सफर बहुत ही खास फील हो रहा है। इसके लिए मैं बहुत ही उत्साहित हूं। मुझे इसके शूट का पहला दिन आज भी याद है। तब हमने नहीं सोचा था कि हम यहां तक पहुंचेंगे। ये माइलस्टोन मेरे लिए भावुक कर देने वाला पल है।

इस शो का दर्शकों के साथ इतना खास कनेक्शन क्यों है? इसका जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा, ÷शो कई कहानियां कहता है, जिनसे लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से रिलेट कर पाते हैं। उदाहरण के लिए, एक बहू का अपनी सास से दुखी होना, परिवार के लोगों के बीच बंटी जिम्मेदारियां और एक मां का आगे पढ़ाई करने का फैसला। पूरा परिवार कैसे एक-दूसरे को सपोर्ट करता है, ये बहुत ही रियल और दिल जीतने वाला है। इसकी सफलता का सबसे बड़ा राज इसके परिवार के बीच भावनात्मक रिश्ता है, जो शो में साफ दिखाई देता है। पुष्पा की जिंदगी दुखों से भरी है, लेकिन वो और उसकी फैमिली कैसे उनसे साथ में निपटी, यही इसकी खासियत है।÷

अधिकतर टीवी सीरियल में एक ही कहानी को बढ़ाया जाता है, क्या %पुष्पा इंपॉसिबल% इस परिपाटी को तोड़ता है और नई कहानियां कहता है?इस पर एक्ट्रेस ने कहा, ÷हां इसमें बहुत सारा नया कंटेंट है और दर्शकों की पसंद भी बदली है। इसलिए प्रोड्यूसर और लेखक लगातार ये कोशिश करते रहे हैं कि उन्हें नई कहानी देखने को मिले।

मेट्रो बाजार

सस्ते में सोना-चांदी खरीदने का मौका, कीमतों में आई कमी

मुंबई । सोने और चांदी दोनों में गिरावट देखने को मिली। सोने की कीमत एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के नीचे आ गई। हालांकि, चांदी का दाम 800 रुपए प्रति किलो से अधिक कम हो गया। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की ओर से शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में 24 कैरेट सोने का दाम 400 रुपए कम होकर 99,623 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,00,023 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।यह लगातार तीसरा कारोबारी सत्र है जब सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है।

वहीं, 22 कैरेट सोने की कीमत घटकर 91,255 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 74,717 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखी गई। बीते 24 घंटे में चांदी का दाम 883 रुपए कम होकर 1,14,050 रुपए प्रति किलो हो गया है। आईबीजेए की ओर दिन में दो बार हाजिर बाजार की सोने और चांदी की कीमतें जारी की जाती है। एमसीएक्स पर भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। गोल्ड के 03 अक्टूबर, 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 0.26 प्रतिशत कम होकर 99,575 रुपए पर था।

सरकारी बैंकों ने 3 वित्त वर्षों में इक्विटी - बॉन्ड के जरिए जुटाए 1.54 लाख करोड़

नई दिल्ली । सरकारी बैंकों ने पिछले तीन वित्त वर्षों में इक्विटी और बॉन्ड के माध्यम से 1,53,978 करोड़ रुपए जुटाए हैं। यह जानकारी सरकार द्वारा संसद को सोमवार को दी गई। लोकसभा में आए एक सवाल का लिखित में जवाब देते हुए केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 से लेकर वित्त वर्ष 2024-25 के बीच सरकारी बैंकों ने इक्विटी और बॉन्ड के जरिए 1,53,978 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसमें से 44,942 करोड़ रुपए वित्त वर्ष 2022-23 में, 57,380 करोड़ रुपए वित्त वर्ष 2023-24 में और 51,656 करोड़ रुपए वित्त वर्ष 2024-25 में जुटाए गए थे। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि बैंकों द्वारा पूंजी जुटाने का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है, जिसमें ऋण वृद्धि को समर्थन देने के लिए बैंकों की पूंजीगत आवश्यकताओं को पूरा करना, कैपिटल एडेक्वेसी रेशियो के लिए रेगुलेटरी आवश्यकताओं को पूरा करना, पब्लिक शेयरहोल्डिंग में वृद्धि करके न्यूनतम पब्लिक शेयरहोल्डिंग नियमों का अनुपालन करना और बैंक की समग्र पूंजी स्थिति को मजबूत करना शामिल हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक समय-समय पर अपनी पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बाजार से पूंजी जुटाते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की मजबूत वित्तीय स्थिति ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है, जिससे वे बाजार से पूंजी जुटा पा रहे हैं। वित्त मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 26) की पहली तिमाही के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा के लिए इस सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों की एक बैठक बुलाई है।

काम पर लौटे तहसीलदार, 13 दिन में लग गया पेंडिंग मामलों का अंबार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

न्यायिक और गैर न्यायिक विभाजन से नाराज तहसीलदार और नायब तहसीलदार लंबे समय तक तेवर दिखाने के बाद आज काम पर लौट गए। वे पिछले 13 दिन से ही काम बंद विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा एवं विभाग के सीनियर अधिकारियों से मुलाकात के बाद उन्होंने काम पर लौटने का निर्णय लिया। हालांकि, उनके सामने 6 हजार से अधिक पेंडिंग मामलों को सबसे पहले निपटाने की चुनौती रहेगी।

मप्र राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा) संघ के बैनर तले तहसीलदार व नायब तहसीलदार काम बंद विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।जानकारी के अनुसार, नामांतरण, सीमांकन, फौती? नामांतरण, मूल निवासी, जाति प्रमाण? पत्र, आय प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस ?सहित करीब 500 से अधिक मामले? रोजाना आते हैं। इसके अलावा हर दिन करीब 300 प्रकरणों में तहसीलदार,? नायब तहसीलदार सुनवाई करते हैं।? इस वजह से दो दिन में ही 600 से ज्यादा केस की पेशियां आगे बढ़ा दी गई है। अब तक पेंडिंग केस का आंकड़ा 6 हजार तक पहुंच गया है।भोपाल में बैरागढ़, कोलार, एमपी नगर, शहर वृत्त, बैरसिया और टीटी नगर तहसील हैं। इनके तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को न्यायिक और गैर न्यायिक कार्य में विभाजित किया है। यानी, जो अधिकारी न्यायिक कार्य कर रहे हैं, वे फील्ड में नहीं है। वहीं, फील्ड वाले अधिकारी न्यायिक कार्य नहीं कर रहे।इस व्यवस्था का वे भी विरोध कर रहे थे। इसके साथ ही कुल 8 मांगों को लेकर विरोध किया जा रहा था। इनमें से 7 मांगों पर सहमति बनने के बाद मंगलवार से तहसीलदार और नायब तहसीलदार काम पर लौट आए।

राजधानी में नशे की फैक्ट्री: फिर निगरानी तंत्र हुआ नाकाम

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी में एक बार फिर नशे की अवैध फैक्ट्री पकड़ने का मामला स्थानीय स्तर पर निगरानी तंत्र, प्रशासन व स्थानीय अफसरों की नाकामी उजागर कर रहा है। यहां से 92 करोड़ रुपए कीमत की 61.2 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स जब्त की गई है। हालांकि यह कार्रवााई डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने ऑपरेशन %क्रिस्टल ब्रेक% चला कर की तथा इस अवैध दवा निर्माण कारखाने का भंडाफोड़ किया है। अभियान के दौरान सूरत और मुंबई पुलिस ने भी डीआरआई की मदद की है।लेकिन राजधानी की पुलिस को इस आपरेशन से दूर रखा गया।

गोपनीय सूचना के आधार पर डीआरआई ने भोपाल में इस कार्रवाई को अंजाम दिया। बताया जाता है कि डीआरआई ने मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर छापे भी मारे और इस गिरोह के 7 प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जांच टीमों ने बडी खामोशी से 16 अगस्त को भोपाल के जगदीशपुर (इस्लाम नगर) स्थित इस अवैध फैक्ट्री की तलाशी का अभियान चलाया। कार्रवाई में 61.2 किलोग्राम मेफेड्रोन लिक्विड रूप में बरामद कर जब्त की गई। जिसकी कीमत 92 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसके अलावा 541.53 किलोग्राम कच्चा माल, जिसमें मेथिलीन डाइक्लोराइड, एसीटोन, मोनोमेथिलमाइन (एमएमए), हाइड्रोक्लोरिक एसिड (एचसीएल) और 2 ब्रोमो शामिल हैं, उसे भी प्रोसेसिंग मशीनों के साथ जब्त किया है। मशीनों का पूरा सेट जांच में पाया है।

आठ लाख रुपए के 50 गुमे हुए मोबाइल फोन बरामद

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी की एमपी नगर थाना पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से 50 गुमे हुए मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता हासिल की है। बरामद हुए मोबाइलों की कीमत करीब आठ लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने यह मोबाइल फोन उनके मालिकों को लौटा दिए हैं। थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा ने बताया कि बीते कुछ महीने में अनेक लोगों ने मोबाइल फोन गुमने की शिकायत की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गुमे हुए मोबाइलों को पुलिस सायबर की सीईआईआर पोर्टल पर सर्जिंग के लिए लगाया गया था। सर्जिंग के दौरान कुल 50 मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता मिली है। मोबाइल मालिकों को थाने बुलाकर उनके मोबाइल फोन वापस किए गए हैं। मोबाइल फोन बरामद करने में टीआई शर्मा के साथ ही एसआई कुलदीप खरे, हेड कांस्टेबल बृजकिशोर शर्मा, आरक्षक विश्वनाथ गुर्जर, मनोज जाट, प्रदीप सस्तिया और मिथुन अलावा की सराहनीय भूमिका रही है।

'महापौर हेल्पलाइन' की शिकायतों का लाभार्थियों से लिया फीडबैक

स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल रूम में महापौर मालती राय ने 'महापौर हेल्पलाइन' के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा कर लाभार्थियों से फीडबैक प्राप्त किया। साथ ही अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर सभी समस्याओं को हल करने हेतु आदेशित किया।

साइबर क्राइम ब्रांच की कार्रवाई, मलप्पुरम और कोझीकोड केरल से चारों आरोपी गिरफ्तार

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 9 लाख की ठगी, खाता बेचने वाले 4 गिरफ्तार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 9 लाख 35 हजार रुपए की ठगी करने वाले जालसाजों को खाता बेचने वाले चार आरोपियों को साइबर क्राइम ब्रांच ने मलप्पुरम और कोझीकोड केरल से गिरफ्तार किया है। जालसाजों ने इन चारों से खाते खरीदे थे और इसी में ठगी की रकम ट्रांसफर कराई थी।

इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

मुहम्मद नबील कोलोथोड़ी, केरल महज 12वीं पास है। स्वयं के नाम पर खाता खुलवाकर पैसे लेकर बेचता है। शमशाद पी 12वीं पास है और फर्जी खाते खरीदकर अन्य आरोपियों को पैसे लेकर बेचता है। इसी प्रकार आशिक सजीर टी ग्रेजुएट है और फर्जी खाते खरीदकर अन्य आरोपियों को पैसे लेकर बेचता है। यह तीनों आरोपी निवासी पेरिंदलमन्ना जिला मलप्पुरम, केरल के है। इसी प्रकार मोहम्मद दानिश निवासी, चेरीकुलंगारा हाउस ग्राम एलिटील जिला कोझिकोड केरल, आईटीआई भारत से खाते खरीदकर दुबई में सायबर ठगों को बेचता है। आरोपी यूएई की मुद्रा (दीरहम) में कमीशन लेता था।

जानकारी के अनुसार मोहम्मद जैनुल निवासी कोहेफिजा ने सायबर क्राइम ब्रांच को शिकायती आवेदन दिया था। उसने बताया कि करन बिरला नाम के व्यक्ति ने वाट्सएप पर संपर्क कर पीएमएचडीएफसी नाम की एप्लीकेशन डाउन लोड कराई थी। एप्लीकेशन के माध्यम से शेयर मार्केट में सहज सोलर नाम की कंपनी में निवेश करने के नाम पर अलग अलग बैंक खातों में पैसा आनलाइन जमा करवा लिया। मोहम्मद जैनुल ने 9 लाख 35 हजार रुपए जालसाज के कहने में आकर निवेश के नाम दे दिए। जांच के बाद सायबर क्राइम ब्रांच ने अज्ञात आरोपियों पर प्रकरण दर्ज किया।

सायबर क्राईम जिला भोपाल की टीम ने जांच तकनीकी एनालिसिस के आधार पर वाट्सएप नंबर, एप्लीकेशन एवं बैंक खातों के उपयोगकर्ता की जानकारी जुटाई। इस दौरान पता चला कि जालसाजों ने धोखाधड़ी की रकम दुबई से एटीएम के माध्यम से निकाली है। खाते की जानकारी जुटाकर पुलिस ने चारों आरोपियों को मलाप्पुरम, कोझीकोड केरल से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, पासपोर्ट, दो मोबाइल और तीन सिम कार्ड जप्त किए है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। उक्त प्रकरण में पूर्व में केरल एवं महराष्ट्र से 8 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

जुलूस देखने पहुंचे दो युवकों पर धारदार हथियार से हमला

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित डी मार्ट के पास निकल रहे जुलूस को देखने पहुंचे युवकों पर दो अज्ञात बदमाशों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। चाकू लगने से दोनों युवकों को गंभीर चोट आई है। घटना रविवार रात करीब 11 बजे के आसपास की है। पुलिस ने अज्ञात बदमाश पर प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि हमलावर किसी अन्य युवक पर हमला करने आए थे और युवकों को उनका साथी समझकर मारपीट करते हुए हमला कर दिया।

पुलिस के अनुसार विशाल बाथम पिता स्वर्गीय नरेश बाथम (21) होली चौक के पास भोईपुरा बुधवारा, तलैया में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह बोर्ड क्लब पर प्राइवेट काम करता है। रविवार रात वह अपने दोस्त अंश श्रीवास्तव गोगा नवमी छड़ी का जुलूस देखने जहांगीराबाद आया था। रात करीब 11 बजे विशाल और अंश श्रीवास्तव डी मार्ट के पास मेडिकल के सामने खड़े होकर जुलूस देख रहे थे। इस बीच एक युवक भागते हुए आया और उनके पास खड़ा हो गया। उस युवक के पीछे दो अन्य युवक दौड़कर आए और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान भागकर आया युवक भाग निकला। मारपीट के दौरान एक युवक ने अपने पास रखे चाकू से विशाल की पीठ पर हमला कर दिया। उसे बचाने अंश श्रीवास्तव आया तो आरोपी के साथ मौजूद युवक ने अंश पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया। चीख पुकार सुनकर विशाल के परिचित कुनाल और लक्की पहुंचे और आरोपियों से उन्हें बचाया।

ट्रैक्टर की टक्कर से ई स्कूटर सवार युवक की हुई मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित समरधा टोला गांव में सोमवार दोपहर ई स्कूटर सवार युवक को अज्ञात ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। युवक को एंबुलेंस की मदद से एम्स पहुंचाया गया, वहां चेक करने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद टक्कर मारने वाले ट्रैक्टर का चालक ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया।

पुलिस का कहना है कि ट्रैक्टर का नंबर मिल गया है। पुलिस नंबर के आधार पर उसकी तलाश कर रही है। एएसआई क्षत्रपाल सिंह ने बताया कि विकास राय पिता धनीराम राय (19) सतलापुर, मंडीदीप में रहता था और कॉलेज का छात्र था। बंगरसिया में उसके रिश्तेदार रहते हैं। सोमवार दोपहर वह सतलापुर से अपना ई स्कूटर लेकर बंगरसिया जाने के लिए निकला था। दोपहर करीब तीन बजे के आसपास विकास बंगरसिया रोड पर समरधा गांव में पुलिया के पास पहुंचा ही था कि टर्निंग पाइंट पर सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने उसकी स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उसे सिर में गंभीर चोट आई थी। राहगीरों ने एंबुलेंस की मदद से उसे एम्स पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया।

मेट्रो एंकर | बिजली चोरी के पकड़े दो हजार मामले, एनएबीएल लैब में चेकिंग के दौरान हुआ खुलासा

पुराने मीटरों में तकनीकी खराबी कर बिजली चोरी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भोपाल शहर में स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान उपभोक्ता परिसरों से निकाले गए पुराने मीटरों की एनएबीएल लैब में चेकिंग के दौरान चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। उपभोक्ताओं के परिसर से निकाले गए ऐसे पुराने मीटरों में तकनीकी खराबी कर रेजिस्टेंस या अन्य छेड़छाड़ की गड़बड़ी के 2 हजार 40 मामले पकड़े गए हैं।

इन गड़बड़ी वाले आरोपी उपभोक्ताओं पर कंपनी द्वारा चार करोड़ 19 लाख से अधिक की बिलिंग की गई है जिसमें से एक हजार 219 मामलों में उपभोक्ताओं द्वारा मीटर में गड़बड़ी की बात स्वीकार कर दो करोड़ 19 लाख से अधिक की राशि

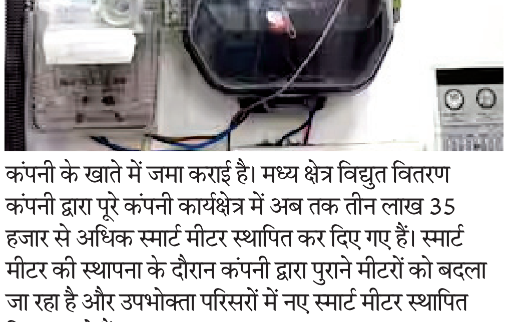

कंपनी के खाते में जमा कराई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक तीन लाख 35 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए गए हैं। स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान कंपनी द्वारा पुराने मीटरों को बदला जा रहा है और उपभोक्ता परिसरों में नए स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा रहे हैं।

दो करोड़ 45 लाख की राशि उपभोक्ताओं से वसूली

कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं के परिसर से निकाले गये ऐसे 2 हजार 430 मीटरों में तकनीकी खराबी कर रेजिस्टेंस या अन्य छेड़छाड़ की गड़बड़ी पकड़ी गई है। ये गड़बड़ी कंपनी की एनएबीएल मान्यता प्राप्त मीटर टेस्टिंग लैब में पकड़ी गई है। इन गड़बड़ी वाले आरोपी उपभोक्ताओं पर कंपनी द्वारा 4 करोड़ 92 लाख से अधिक की बिलिंग की गई है और इसमें से 1 हजार 439 मामलों में उपभोक्ताओं द्वारा मीटर में गड़बड़ी की बात स्वीकार कर 2 करोड़ 45 लाख से अधिक की राशि कंपनी के खाते में जमा कराई है।

कंटेनर की टक्कर से क्षतिग्रस्त हुई कार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कटारा हिल्स इलाके में एक कंटेनर ने कार को टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार पुरुषोत्तम दास यादव (59) हाउसिंग बोर्ड कालोनी रायसेन में रहते हैं और जनपद पंचायत कार्यालय औबेदुल्लागंज में नौकरी करते हैं। सोमवार को वह अपनी कार से ड्यूटी के बाद वापस घर लौट रहे थे। कटारा हिल्स थानांतर्गत सेज यूनिवर्सिटी के पास एक तेज रफ्तार कंटेनर के चालक ने उसकी कार में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पीछे वाली डिक्की का कांच, ड्रायवर तरफ का पीछे वाला गेट, सामने का कांच ,पीछे की लाईटें आदि टूट गईं। टक्कर मारने के बाद चालक कंटेनर लेकर मौके से भाग निकला। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022